तापमान

अधिकतम 29.2 डिग्री

न्यूनतम 13.1 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, रविवार 12 जनवरी 2025

ये पैसेंजर ट्रेन रहेंगी रद्द

- 68728 रायपुर बिलासपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 16 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 68734 बिलासपुर गेवरा रोड मेमू पैसेंजर दिनांक 16 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 68733 गेवरा रोड बिलासपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 16 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 68719 बिलासपुर रायपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 16 जनवरी और 17 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 68727 बिलासपुर रायपुर मेमू पैसेंजर दिनांक 17 जनवरी को रद्द रहेगी
- 58201 बिलासपुर रायपुर पैसेंजर दिनांक 18 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 58207 रायपुर जूनागढ़ रोड पैसेंजर दिनांक 18 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 58208 जूनागढ़ रोड रायपुर पैसेंजर दिनांक 19 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 58280 रायपुर - कोरबा पैसेंजर दिनांक 19 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 68861/68862 गोंदिया- झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेजर स्पेशल बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी।

उधमपुर एक्सप्रेस 30 दिनों के लिए रद्द, 9 पैंसजर ट्रेनों के भी थमे पहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जम्मू तवी रेलवे का री-डेवलपमेंट का कार्य के कारण दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस को विभिन्न तारीखों में किया रद्द

विकास कार्यों को पूरा करने लगातार देशभर में ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेन भी शामिल है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के बैकुंठ-सिलयारी रेलवे स्टेशनो के बीच अंडर ब्रिज निर्माण कार्य के लिए बॉक्स पुशिंग का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 16 से 18 जनवरी को किया जाएगा, जिसके चलते 9 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया है। रेलवे का कहना है कि लेवल क्रासिंग पर रोड अंडर ब्रिज बनने से आने वाले दिनों में सड़क मार्ग उपयोगकर्ता को ट्रेन परिचालन के दौरान लेवल क्रॉसिंग गेट पर रुकने की अवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल में जम्मू तवी रेलवे का री-डेवलपमेंट का कार्य के लिए नॉन इंटर लाकिंग व ब्लॉक किया जाएगा। इस वजह से दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस जनवरी और फरवरी के मध्य 30 दिनों तक रद्द रहेगी।

दुर्ग-उधमपुर इस तारीख को रहेगी रद्द

- 15, 22, 29 जनवरी, एवं 05, 12, 19, 26 फरवरी को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20847 दुर्ग –उधमपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 17, 24, 31 जनवरी एवं 07, 14, 21, 28 फरवरी को उधमपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20848 उधमपुर - दुर्ग सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 14, 21, 28 जनवरी, , 04, 11, 18, 25 फरवरी एवं 04 मार्च 2025 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12549 दुर्ग उधमपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 16, 23, 30 जनवरी, , 06, 13, 20, 27 फरवरी एवं 06 मार्च को उधमपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12550 ऊधमपुर - दुर्ग सुपर फास्ट एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

खबर संक्षेप

तालाब किनारे गुंडागर्दी चाकू के साथ गिरफ्तार

रायपुर। महाराजबंध तालाब किनारे गुंडागर्दी करने वाले बदमाश को पुरानी बस्ती थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 19 वर्षीय आरोपी नरेश जाल के पास से चाकू बरामद किया गया है, आरोपी घटनास्थल पर पहुंची टीम को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिली थी कि संदिग्ध युवक बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हुलिए के आधार पर आरोपी को धर दबोचा।

गैंगवार में चाकूबाजी चार गिरफ्तार

रायपुर। गैंगबाजी के चक्कर में समता कॉलोनी इलाके में दो गुटों के बीच हुई मारपीट और चाकूबाजी के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रोशन विश्वकर्मा, अमन कामड़े, गोलू मरकाम तथा भुवन बर्वे अलग-अलग गुट के हैं। आपसी विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और चाकूबाजी हुई। इसमें एक गुट के आलोक कामड़े और दूसरे के वैष्णव मरकाम को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। चाकूबाजी में घायल दोनों आरोपियों की ठीक होने के बाद गिरफ्तारी की जाएगी।

टीवी रीचार्ज कराने का झांसा, एक लाख की ठगी

रायपुर। टीवी सेटअप बाक्स रीचार्ज कराने के झांसे में आकर वृद्ध एक लाख रुपए गंवा बैठा। थाना मुजगहन के हाउसिंग बोर्ड बोरियाकला के आवास में रहने वाला ईनायक राव कपाले द्वारा अपने टीवी सेटअप बाक्स खराब होने की शिकायत की गई थी। इस दौरान उसे एक मोबाइल नंबर से कॉल आया, जिसने सेटअप बॉक्स रीचार्ज कराने के नाम पर मोबाइल पर एप डाउनलोड कराया और कुछ समय के अंतराल में उसके खाते से दो किस्तों में रकम गायब हो गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

रायपुर सहित आसपास के जिलों में रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन धड़ल्ले से जारी

विभाग सस्ते में छोड़ रहा, इसलिए रेत माफिया के हौसले बुलंद, 12 गाड़ियां और पकड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर सहित आसपास लगे जिलों में रेत का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। दिन और रात दोनों समय नदी के कई किनारों में बिना अनुमति लिए लोग रेत का उत्खनन कर परिवहन करा रहे हैं। इनमें कई रेत की खदान भी हैं, जिन्हें विभाग ने टेंडर निकालकर ठेके पर दिया है, पर उत्खनन के लिए राज्य पर्यावरण विभाग से अनुमति नहीं मिली है। इधर दूसरी ओर रेत माफिया के साथ अवैध उत्खनन व परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने के कारण सभी के हौसले बुलंद हैं। अभी तक खनिज विभाग ही रेत के उत्खनन और परिवहन के मामले में कार्रवाई करता आ रहा है। इसके तहत पकड़ी गई रेत से भरी गाड़ियों और उत्खनन करने उपयोग में लाई जाने वाली चेन ⏭शेष पेज 15 पर

रात में निरीक्षण पर 13 गाड़ी पकड़ी गईं

रायपुर जिले में शुक्रवार-शनिवार की रात में खनिज विभाग रायपुर के उपसंचालक के निर्देश पर खनिज प्रभारी निरीक्षक रघुनाथ भारद्वाज के नेतृत्व में टीम ने गिद्धपुरी, मंदिर हसौद, खरोरा, आरंग एवं ऊपरवारा क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए रेत से भरी 12 हाईवा एवं एक चूनापत्थर से भरी गाड़ी को पकड़ा। इन गाड़ियों के चालकों के पास रायल्टी पर्ची नहीं मिली। सभी अवैध रूप से रेत परिवहन कर ले जा रहे थे। टीम ने सभी गाड़ियों को जब्ती बनाते हुए संबंधित थाना परिसर में खड़ी करा कर उनके मालिकों के खिलाफ अर्थदंड लगाया है।

इन खदानों में अवैध उत्खनन जारी

जिले में 13 रेत खदानों में अब तक सिर्फ 8 खदानों को ही पर्यावरण विभाग से अनुमति मिली है, जबकि अन्य खदानों में अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है। जिले में पकड़ी गई गाड़ियों में ग्राम कागदेही, कुरुद, करमंदी, चिखली खदान से रेत का परिवहन कर ले जाया जा रहा था।

निरीक्षण-कार्रवाई लगातार जारी

खनिज सामग्री के अवैध उत्खनन-परिवहन पर अंकुश लगाने कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए हैं। इसके तहत लगातार दिन और रात में निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है।

- केके गोलघाटे
उप संचालक खनिज विभाग रायपुर

तत्कालीन कलेक्टर भुरे ने दिए थे कोर्ट में प्रकरण भेजने के निर्देश

रायपुर जिले के तत्कालीन कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के कार्यकाल में रेत के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाया गया था। डा. भुरे ने निर्देश दिए थे कि बिना रायल्टी पर्ची के कोई गाड़ी एक से अधिक बार पकड़ी जाती है, तो उसका तत्काल प्रकरण बनाकर कोर्ट में पेश किया जाए। विभाग उनसे जुर्माना वसूल नहीं करे। यह निर्देश इसलिए दिए गए थे कि विभाग की साधारण कार्रवाई करने से अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों का प्रशासन ⏭शेष पेज 15 पर

दिल्ली की एक उड़ान स्थगित, दूसरी नागपुर होकर आई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रनवे पर चल रहे काम और कोहरे का असर लगातार दूसरे दिन हवाई यातायात पर पड़ा। सुबह पौने नौ बजे वाली फ्लाइट स्थगित रही, वहीं इसके पूर्व की उड़ान दिल्ली से नागपुर होकर रायपुर पहुंची। इसके साथ विभिन्न शहरों से आने वाली फ्लाइट भी अपने निर्धारित समय से विलंब से संचालित की गई है। कल रात वाली दिल्ली फ्लाइट आज सुबह रायपुर में लैंड हुई। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के रनवे ⏭शेष पेज 15 पर

- दूसरे दिन भी मौसम की मारए शुक्रवार की रात 9.20 बजे की फ्लाइट, सुबह चार बजे लैंड हुई

अफसरों की चुप्पी

लगातार दो दिन से एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी अधिकारियों की चुप्पी नहीं टूटी है। उन्होंने अब तक यात्रियों को होने वाली परेशानी के कारणों को स्पष्ट नहीं किया गया है। ठंड के दिनों में सही जानकारी नहीं होने की वजह यात्रियों को दिक्कतें हो रही हैं।

बेंगलुरु और प्रयागराज की उड़ान लेट

रायपुर से बेंगलुरु और प्रयागराज जाने वाली फ्लाइट भी अपने निर्धारित समय से सवा से दो घंटे विलंब से संचालित हुई। इसके अलावा भोपाल से आने वाली फ्लाइट पौन घंटे, हैदराबाद की तीन उड़ान अपने समय पर नहीं हुई। वहीं मुंबई की दो उड़ान भी अपने निर्धारित समय से लेट रही।

वार्षिक कैलेंडर जारी करते ही व्यापम की साइट क्रैश, इधर...पीएससी भूल बैठा अपना ही वादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- दो दिनों से ठप है व्यापम की वेबसाइट परेशान होते रहे युवा
- 9 मार्च को होगी व्यापम की पहली परीक्षा, अंतिम पर्चे 21 दिसंबर को

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। इसमें व्यापम द्वारा पूरे वर्ष ली जाने वाली परीक्षाओं का जिक्र है, लेकिन इसके बाद भी परीक्षाओं की जानकारी युवाओं तक नहीं पहुंच पा रही है। इसका मुख्य कारण व्यापम की वेबसाइट ठप होना है। भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा दिनभर इसकी जानकारी के लिए यहां-वहां भटकते रहे, लेकिन उन्हें कोई जानकारी नहीं मिल सकी। व्यापम के परीक्षा नियंत्रक हिमांशु अग्रवाल से जब इस संदर्भ में संपर्क किया गया तो उनके द्वारा कोई भी जवाब नहीं दिया गया। वहीं छग लोक सेवा आयोग द्वारा पिछले साल घोषणा की गई थी कि उनके द्वारा यूपीएससी की तर्ज पर वार्षिक ⏭शेष पेज 15 पर

प्रवेश परीक्षाएं मई में

भर्ती परीक्षाओं के साथ ही प्रवेश परीक्षाओं की तारीखें भी जारी कर दी गई हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत पीपीटी और प्रीएमसीए एक मई, पीईटी एवं पीपीएचटी 8 मई को होगी। पीएटी-प्रीव्हीपीटी 15 मई, प्रीबीएड एवं प्रीडीएलएड 22 मई, बीएससी नर्सिंग 29 मई, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की परीक्षाएं 5 जून को होगी।

पद संख्या का जिक्र नहीं

व्यापम ने पद संख्या का जिक्र नहीं किया है। केवल तिथियां ही घोषित की गई हैं। ना ही यह बताया गया है कि उक्त परीक्षाओं के लिए आवेदन कब से कब तक किए जा सकेंगे। दी गई जानकारी के मुताबिक, संचालनालय कृषि विभाग के अंतर्गत प्रयोगशाला सहायक 9 मार्च और सहायक सांख्यिकी अधिकारी 13 अप्रैल, संचालनालय मछली पालन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक 23 मार्च, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उप अभियंता के उम्मीदवार एक मई को परीक्षा देंगे। इसी प्रकार सहायक विकास विस्तार अधिकारी 15 जून और नगर सैनिक की परीक्षा 22 जून को परीक्षा संभावित है। लोक निर्माण विभाग में, जल ⏭शेष पेज 15 पर

फिटनेस एंड रोड सेफ्टी पर कार्यक्रम आज

रायपुर। यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के दौरान रविवार को फिटनेस एंड रोड सेफ्टी अवेयरनेस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। तेलीबांधा मरीन ड्राइव में आयोजित इस कार्यक्रम में फिटनेस के लिए एरोबिक्स, जुम्बा एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन में सिम्युलेटर से ड्राइविंग स्किल, क्विज, नॉलेज टेस्ट सहित, एआई फोटोग्राफी के साथ अन्य मंनोरजक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पारा बढ़ने से सरगुजा में कम होगी शीतलहर, मध्य में मामूली असर से ठंड बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मौसम नरम-गरम होने की वजह से अभी ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। विक्षोभ के प्रभाव से दो से तीन दिन तक पारा बढ़ने से सरगुजा में शीतलहर कम होगी। मध्य में मामूली असर होने से अभी ठंड का दौर जारी रहेगा। विक्षोभ का असर जैसे ही कम होगा वैसे ही शुष्क हवा के साथ ठंड लौटने की संभावना है।

- दो-तीन दिन रहेगा असर फिर शुष्क हवा के साथ लौटेगी ठंड

इस बार जनवरी में भी ठंड कभी कम तो कभी ज्यादा की स्थिति में अपना असर दिखा रही है। आने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह तापमान थोड़ा चढ़ता है, मगर उसके कमजोर होते ही ठंड की अच्छी वापसी हो जाती है। अभी सरगुजा संभाग शीतलहर के चपेट में है और बलरामपुर का तापमान चार डिग्री से कम हो चुका है।

कोरिया में बूंदाबांदी कुहासा भी

मौसम में होने वाले बदलाव के दौरान राज्य के सीमावर्ती इलाके यानी कोरिया और उसके आसपास के इलाकों में छाने वाले बादल मामूली रूप से बरस भी सकते हैं। इसके अलावा वातावरण में मौजूद नमी के प्रभाव से सुबह के वक्त कुहासा छाने की उम्मीद भी है।

ऐसा रहा तापमान

रायपुर	13.1	0
माना	10.7	-3
बिलासपुर	11.0	-2
पेंड्रा	7.2	-3
अंबिकापुर	6.0	-3
जगदलपुर	11.2	0
दुर्ग	9.4	-4

विक्षोभ ज्यादा मगर असर कम

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दिसंबर की तुलना में इस बार जनवरी में विक्षोभ ज्यादा संख्या में हुए। विक्षोभ ठंड पर ज्यादा असर नहीं डाल सका। तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अभी प्रशांत महासागर में ला-नीना का असर है, जिसकी वजह से ठंड अपना असर दिखा रही है।

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज
छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
सीमित सीटें
उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स
ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन
पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन
एक्स-रे टेक्निशियन
सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स
काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604
चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

खबर संक्षेप

डिप्टी सीएम शर्मा ने की समीक्षा, दिए निर्देश

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर तथा तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि साइंस सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गैलरी, स्पेस म्यूजियम और क्लाइमेट चेंज म्यूजियम की स्थापना की जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन आधुनिक संस्थानों का उद्देश्य युवाओं को भविष्य की तकनीकों और पर्यावरणीय शोध से जोड़ना होगा। बैठक में उन्होंने प्रदेश में बड़े निर्माण कार्यों की प्रगति की उपग्रह चित्रों के माध्यम से निगरानी करने की भी बात कही। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सचिव तकनीकी शिक्षा विभाग एस. भारतीदासन और संचालक तकनीकी शिक्षा विभाग ऋतुराज रघुवंशी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर आज

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर समाजसेवी संस्था प्रमा फाउंडेशन द्वारा 12 जनवरी को रक्तदान शिविर गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में लगाया जाएगा। संस्था के सचिव राजकुमार मिश्रा ने बताया कि शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। रक्तदान शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस में रक्तदान के प्रति जागरूकता का प्रसार करना है।

चिंतन शिविर में शामिल हुईं मंत्री राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े राजस्थान के उदयपुर शहर में आयोजित चिंतन शिविर में शामिल हुईं। उन्होंने चिंतन शिविर में राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा में भाग लिया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री तथा सचिव भी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने की लोककर्म विभाग कार्यों की समीक्षा

रायपुर। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने शनिवार को निगम मुख्यालय में बैठक लेकर निगम लोक कर्म विभाग के कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने सभी प्रगतिरत विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में निगम के सभी जोन के कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंताओं के अलावा अपर आयुक्त विनोद पांडेय, उपायुक्त राजेश्वरी पटेल, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी फील्ड में जाए और विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र कराने की मॉनिटरिंग करें।

प्रो.नं. 32/2025 MACT NO. 01/2024
पेशी तारीख -04.02.2025

-::आम ईश्तहार::-

न्यायालय :- सत्येंद्र कुमार साहू, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)

लक्ष्मी नारायण भारद्वाज .....आवेदक
बनाम
कामता प्रसाद साहू वगैरह .....अनावेदकगण

उपरोक्त आवेदक के द्वारा कामता प्रसाद साहू वगैरह के विरुद्ध न्यायालय सत्येंद्र कुमार साहू, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.) के समक्ष MACT No 01/2024 प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 04.02.2025 की तिथि नियत है। MACT No 01/2024 के आवेदक के द्वारा अनावेदक क्रमांक 02 मेसर्स एस.के. कार्गो एंड लॉजिस्टीक, पता चावला काम्प्लेक्स, हैरिटेज हॉस्पिटल, सेक्टर 03, देवेंद्र नगर रायपुर (छ.ग.) की उपस्थिति/ जवाब हेतु नियत है। अतः समाचार पत्र के माध्यम से आप मेसर्स एस.के. कार्गो एंड लॉजिस्टीक को उक्त प्रकरण के पेशी दिनांक 04-02-2025 को दिन के 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होने की सूचना दी जाती है। निर्धारित दिनांक को आप न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है तो आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी। नोट : अगर उक्त पेशी दिनांक 04-02-2025 को न्यायालय का अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी दिवस में की जावेगी। आज दिनांक 08-01-2025 को न्यायालय के मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सत्येन्द्र कुमार साहू)
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
जिला कोरबा (छ.ग.)

नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव में अलग-अलग आरओ एवं एआरओ होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की तैयारी अंतिम चरण पर है। निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने कहा, नगरीय निकाय निर्वाचन ईवीएम से कराए जाने की तैयारी की जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उपयोग किए जाने वाले ईवीएम मल्टी वोट मल्टी पोस्ट प्रकार की है। आयोग द्वारा नए जिलों को उनके पैरेंट जिलों से ईवीएम आवश्यकता अनुसार प्रदाय किया जाएगा। आयोग के सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने बताया कि वर्ष 2014 के नगरीय निकाय आम निर्वाचन, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईव्हीएम के माध्यम से कराया गया था। चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) के लिए एक प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति की जाए तथा इस कार्य के लिए आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराया जाए। एफएलसी की सूचना लिखित में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाए तथा यह सुनिश्चित करें कि एफएलसी की प्रक्रिया प्रतिदिन समय पर प्रारंभ हो एवं निर्धारित तिथि तक पूर्ण कर ली जाए। आयोग द्वारा ली गई बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, राज्य निर्वाचन आयोग की उप सचिव डॉ. नेहा कपूर, डॉ. अनुप्रिया मिश्रा एवं आलोक कुमार श्रीवास्तव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एसडीएम सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

चुनाव में उपयोग की जाने वाली ईवीएम मल्टी वोट मल्टी पोस्ट प्रकार की

चुनाव में होंगे अलग-अलग निर्वाचन अधिकारी

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। वर्चुअल बैठक में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की गई। रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (एआरओ) की नियुक्ति को लेकर निर्वाचन आयुक्त ने कहा, नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिए अलग-अलग नियुक्ति की जाय। चुनाव के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी को सुनिश्चित करें। सभी आवश्यक तैयारी समय सीमा में करने निर्देशित किया गया।

चुनाव की पूरी तैयारी

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों को आगामी चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने तैयारियों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुए कहा, सभी तैयारियां समय पूर्व सुनिश्चित कर ली जाएंगी।

दो साल में नए 223 और पुराने 1500 तालाबों का होना था गहरीकरण

मनरेगा में काम करने नहीं मिल रहे मजदूर 1723 में सिर्फ 646 तालाबों का ही गहरीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में मनरेगा के तहत काम करने के लिए मजदूर मिल नहीं पा रहे हैं। इसके कारण दो साल में 1723 तालाबों में से अब तक मात्र 646 तालाबों के गहरीकरण के कार्य पूर्ण हो पाए हैं, वहीं शेष 1077 तालाबों के गहरीकरण के कार्य अधूरे हैं। इन अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए विभाग को अब गर्मी के सीजन का इंतजार है, क्योंकि इन दिनों धान की कटाई से लेकर धान उपार्जन केंद्रों, मंडियों में धान की तौलाई, वाहन से धान की लोडिंग-अनलोडिंग सहित अन्य कई काम में मजदूर लगे हुए हैं। इसके कारण मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों का टोटा हो गया है, जिसके कारण तालाबों के गहरीकरण के अलावा मनरेगा से संबंधित अन्य कार्यों में भी मजदूर बहुत कम संख्या में काम करने पहुंच रहे हैं। इधर विभाग को अब गर्मी के सीजन का इंतजार है, क्योंकि इसी सीजन में मजदूर खाली हो जाएंगे, जिसके बाद रोजी-रोटी के लिए मनरेगा के काम में जुट जाते हैं। इस तरह मार्च से मई तक मनरेगा के लिए पीक सीजन का होता है, इसलिए इस सीजन में मनरेगा में सबसे ज्यादा मजदूर काम करने पहुंचते हैं।

ब्लॉक वार तालाबों के गहरीकरण की स्थिति

	स्वीकृत	पूर्ण	अधूरे
वर्ष 2023-24 में			
अभनपुर	1170	184	95
आरंग	276	230	46
धरसींवा	133	91	41
तिल्दा	482	180	302
वर्ष 2024-25 (10 जनवरी तक)			
अभनपुर	143	86	57
आरंग	118	82	36
धरसींवा	75	46	29
तिल्दा	217	178	39

संख्या घटती बढ़ती है इसलिए विलंब

मजदूरों की संख्या घटती-बढ़ती है, इसलिए काम में विलंब होता है। तालाबों के निर्माण पूर्ण करने के लिए समय-सीमा तय नहीं होता, क्योंकि यह मजदूरों के काम पर आने पर निर्भर करता है। गर्मी के सीजन में पीक रहता है, इसलिए इन महीनों में सबसे ज्यादा मजदूर काम करने पहुंचते है, जिससे काम में तेजी आती है।

- रोशनी तिवारी
सहायक परियोजना अधिकारी
मनरेगा विभाग

पीक सीजन में 1 लाख 20 हजार से ज्यादा मजदूर करते है काम

पीक सीजन यानी गर्मी के महीनों में मनरेगा के तहत काम करने के लिए 1 लाख 20 हजार से ज्यादा मजदूर पहुंचते हैं, लेकिन इन दिनों करीब 35 से 40 हजार मजदूर ही मनरेगा का काम करने पहुंच रहे हैं। दिसंबर माह में यह आकड़ा और कम था। विभागीय अधिकारियों के अनुसार दिसंबर माह में करीब 20 हजार मजदूर ही काम करने पहुंच रहे थे, जिसकी संख्या अब बढ़कर 35 से 40 हजार तक पहुंच गई है। अधिकारियों का कहना है कि जून महीने से मनरेगा में मजदूरों की संख्या घटना शुरू हो जाती है, क्योंकि बारिश के सीजन में जहां मनरेगा अंतर्गत होने वाले कार्य बंद हो जाते हैं, वहीं मजदूर भी खेती-किसानी में जूट जाते हैं। बारिश के सीजन के बाद धान की कटाई का काम शुरू हो जाता है, जो दिसंबर तक चलता है। इस कारण ज्यादातर मजदूर धान की कटाई से लेकर उपार्जन केंद्रों एवं मंडियों में धान की खरीदी-बिक्री आदि काम में मजदूरी करते हैं। जैसे-जैसे धान की बिक्री-खरीदी का काम खत्म होता है, वैसे-वैसे मजदूर मनरेगा के काम पर लौटते हैं।

गौरीशंकर अग्रवाल अपील समिति के संयोजक, जिलों के प्रभारियों का भी ऐलान

रायपुर शहर के खूबचंद पारख और ग्रामीण के विकास मरकाम प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन ने नगरीय निकाय चुनावों के लिए राज्य अपील समिति का संयोजक पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल को बनाया है। इसी के साथ चंदूलाल साहू, डॉ. सुभाऊ कश्यप, अशोक बजाज, प्रभा दुबे को समिति का सदस्य बनाया गया है। इसी के साथ जिलों के प्रभारियों का भी ऐलान किया गया है। रायपुर शहर का प्रभारी खूबचंद पारख और गामीण का विकास मरकाम को बनाया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु जिला प्रभारियों की घोषणा भी की है। इसी के साथ संभागों के प्रभारी और सह प्रभारी भी तय किए गए हैं। रजनीश कुमार सिंह को बस्तर संभाग प्रभारी एवं निरंजन सिन्हा को सहप्रभारी बनाया गया है। उसी तरह राजा पांडेय को सरगुजा संभाग, सौरभ सिंह को रायपुर संभाग, जगन्नाथ पाणिग्रही को सहप्रभारी, भूपेन्द्र सवन्नी दुर्ग संभाग प्रभारी एवं अनुराग सिंह देव को बिलासपुर संभाग प्रभारी बनाया गया है।

ये हैं जिलों के प्रभारी

जिलों में रायपुर शहर खूबचंद पारख, रायपुर ग्रामीण विकास मरकाम, बलौदाबाजार मोतीराम चंद्रवंशी, गरियाबंद सुरेन्द्र पाटनी, महासमुंद केदार गुप्ता, धमतरी नीलू शर्मा को प्रभारी बनाया गया है। मिलाई संदीप शर्मा, दुर्ग राजीव अग्रवाल, बेमेतरा विकांत सिंह, बालोद शंकर अग्रवाल, राजनांदगांव अवधेश चंदेल, मोहला मानपुर कोमल जंघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई अजय तिवरी, कवर्धा का लोकेश कावड़िया को प्रभारी बनाया गया है। कांकेर यशवंत जैन, कोण्डागांव आलोक सिंह ठाकुर, नारायणपुर भरत मटियारा, बस्तर जी. वेंकटेश्वर राव, दंतेवाडा श्रीनिवास राव मद्दी, सुकमा विद्याशरण तिवारी, बीजापुर का गौतम गोलछा को प्रभारी बनाया गया है। बिलासपुर इन्द्रजीत सिंह गोल्डी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, मुंगेली प्रहलाद रजक, सक्ती गुरुपाल सिंह भल्ला, जांजगीर-चांपा चुन्नी लाल साहू, कोरबा लखन लाल साहू, सारंगढ़-बिलाईगढ़ निर्मल सिन्हा, रायगढ़ का विकास महतो को प्रभारी बनाया गया है। जशपुर रामकिशुन सिंह, सरगुजा ज्योतिनंद दुबे, सूरजपुर प्रबोध मिंज, बलरामपुर अखिलेश सोनी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर हरपाल सिंह भामरा, कोरिया का मुकेश तिवारी को प्रभारी बनाया गया है।

भूपेंद्र सवन्नी बोले

कांग्रेस को नगरीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारों के संकट से भी जूझना पड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- नगरीय निकाय चुनावों से पहले ही कांग्रेस ने मानी हार

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र सवन्नी ने निकाय चुनावों को लेकर कहा, एक तो कांग्रेस ने तृत्व, कार्यकर्ता और मुद्दों के संकट से जूझ रही है, वहीं अब पार्षद पद के दावेदारों के लिए आवेदन के साथ पांच माह का वेतन जमा करने की अनिवार्यता के बाद कांग्रेस को निकाय चुनावों में उम्मीदवारों के संकट से भी जूझना पड़ेगा। यह कांग्रेस की राजनीतिक, वैचारिक दीवालियापन को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सवन्नी ने कहा कि लगातार हार से कांग्रेस टूट और बिखर चुकी है। भाजपा ने विधानसभा लोकसभा और उपचुनाव में कांग्रेस को पटखनी दी है, उपचुनाव में भी कांग्रेस बुरी तरह हारी है। संगठन चुनाव में भी भाजपा ने तेज गति से नियुक्तियां कर नगरीय निकाय चुनाव में तैयारी को लेकर भी बड़ी बढ़त बना ली है। श्री सवन्नी ने कहा, चुनाव को लेकर भाजपा की प्रदेशस्तरीय टीम, संभागीय समितियों के साथ नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों के प्रभारियों की नियुक्ति करके भाजपा निकाय चुनावों की तैयारी में बहुत आगे निकल गई है जबकि कांग्रेस में सन्नाटा पसरा है! कांग्रेस में अब नेता कौन है, किसके नेतृत्व में कांग्रेस चल रही है, पता नहीं है। ऐसा लग रहा है कि मानो चुनाव के पहले ही कांग्रेस चुनाव हार गई है।

महापौर पद के लिए कांग्रेस नेत्रियों ने सक्रियता के आधार पर की दावेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में महापौर पद सामान्य महिला आरक्षित होने के बाद कई कांग्रेस की महिला पदाधिकारियों ने दावेदारी की है। कांग्रेस के पूर्व विधायक की पत्नी सहित कई महिला कांग्रेस की पदाधिकारी इसमें शामिल हैं। इन कांग्रेस नेत्रियों का कहना है कि महापौर पद के लिए उनकी सक्रियता को ध्यान में रखते हुए पार्टी को उनकी दावेदारी पर विचार करते हुए टिकट देना चाहिए। महिला कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं ने कहा है कि अब राजधानी की इस सीट के लिए नए लोगों को मौका मिलना चाहिए। आरक्षण तय होने के पहले कांग्रेस में चर्चित महिलाओं के नाम कम ही आने की संभावनाओं के बीच अब करीब दर्जनभर महिलाओं ने पीसीसी के समक्ष दावेदारी की है। दावेदार अब अपना टिकट पक्का करने दिल्ली दौड़ लगा रही हैं। चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद उनकी सक्रियता और बढ़ने की संभावना है। कांग्रेस के निगम और विधानसभा चुनाव में सक्रिय नेताओं ने अपने दम पर पत्नियों का नाम आगे बढ़ाया है। वहीं कई ऐसी भी महिला कांग्रेस की नेत्रियां हैं, जो पहले निगम में पार्षद रह चुकी हैं, उन्होंने दावेदारी की है। कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जो कांग्रेस पदाधिकारी होने के साथ ही सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं, वे चाहती हैं कि उनका नाम यहां पर महापौर के टिकट के लिए तय हो।

निकाय चुनाव

कांग्रेस करा रही सर्वे

कांग्रेस ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए वार्डवार प्रभारियों की नियुक्ति पहले ही कर दी थी। प्रभारियों ने वार्ड की बूथ कमेटियों की बैठक लेकर वहां के सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सूची तैयार की है। वार्ड पार्षद और महापौर के लिए नाम सर्वे के आधार पर पार्टी तय करेगी। पार्टी उम्मीदवार तय करने के लिए चुनाव समिति बनाएगी, जो इन नामों को तय करेगी।

दस साल में मिला मौका

कांग्रेस नेत्रियों का कहना है कि नगरीय निकाय चुनाव में राजधानी रायपुर की सीट सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित हुई है। अब कांग्रेस को सक्रियता के आधार पर उन महिलाओं को मौका देना चाहिए, जो पार्टी के मुद्दों को आगे बढ़ाने के में आगे आ रही हैं।

ये हैं दावेदार

अर्पणा संचेती, दीप्ति दुबे, पल्लवी सिंह, नीतू तिवारी, प्रीति उपाध्याय शुक्ला, वंदना राजपूत, कविता ग्वालानी, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, निशा यादव, प्रगति बाजपेयी और परमजीत कौर जुनेजा ने दावेदारी की है।

प्रदेश की आधी आबादी के साथ भाजपा सरकार कर रही है अन्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूरे छत्तीसगढ़ में जिला पंचायत अध्यक्ष का एक भी पद ओबीसी के लिए आरक्षित नहीं है। प्रदेश की आधी आबादी जो अन्य पिछड़ा वर्ग का है, उस बहुसंख्यक आबादी के साथ भाजपा की साय सरकार अन्याय कर रही है। पिछड़ा वर्ग को 50 प्रतिशत आरक्षण का दावा करने वाले भाजपाई गायब हैं। उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण प्रावधानों किए गए दुर्भावना पूर्वक संशोधन के कारण अधिकतर जिला और जनपद पंचायतों में भी ओबीसी आरक्षण खत्म हो गया है। प्रदेश की 16 जिला पंचायत और 85 जनपदों में जहां पहले 25 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हुआ करती थीं, अब अनुसूचित क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण लगभग खत्म हो गया है। पूर्व में ओबीसी के लिए आरक्षित ये सभी सीटें अब सामान्य घोषित हो चुकी हैं। संशोधन के बाद अनुसूचित जिले और ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य और पंचों का जो भी पद अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था, वह अब सामान्य सीटे घोषित हो गई है।

SRI SATHYA SAI SANJEEVANI INSTITUTE OF NURSING AND ALLIED HEALTHCARE SCIENCES,
Sector-2, Atal Nagar, Nava Raipur - 492101 Chhattisgarh
Approved by Indian Nursing Council, New Delhi & Recognised by CGNRC, Raipur
Affiliated to Pt. Deendayal Upadhyay Memorial Health Sciences & Ayush University, Raipur (C.G.)

APPOINTMENTS

Applications are invited for the following posts Under Statute - 16:-

Principal cum Professor / Vice Principal cum Professor / Professor / Assoc. Professor / Asst. Professor / Lecturer

Qualification & Experience : As per INC norms.
Pay Scale & Reservation : As per State Govt. norms.
Selection Criteria : Selection will decide on merit, Education Qualification, Interview, Experience and Academic contribution.

Please send your application along with updated bio-data, self attested testimonials, pan card, adhar card and a recent passport size photograph within fifteen (15) days to the campus address or through
E-mail : saisanjeevani.nursing@gmail.com

एससी-एसटी को 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण से ओबीसी को नहीं मिला मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जिला पंचायत अध्यक्ष के आरक्षण की प्रक्रिया तय हो गई है। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनाव के संबंध में राज्य सरकार अध्यादेश के तहत चुनाव में आरक्षण की नई व्यवस्था लागू की गई है। अगर किसी ग्राम पंचायत में एससी और एसटी के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण है, तो वहां ओबीसी को कोई आरक्षण नहीं मिलेगा। इसी के तहत जिला पंचायत अध्यक्षों और जनपद के अध्यक्षों का आरक्षण किया गया है। 33 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए एससी और एसटी की कुल 20 सीट आरक्षित हो गई जो लगभग 50 प्रतिशत से अधिक है। पिछली बार इनमें से सात सीटों पर ओबीसी का आरक्षण था। चक्रानुसार किए गए आरक्षण में उन सीटों पर ओबीसी की पर्ची नहीं डाली गई, इसकी वजह से ओबीसी के लिए कोई आरक्षण नहीं हुआ।अधिकारी बताते हैं कि पूरी प्रक्रिया आरक्षण के लिए तय नियम के अनुसार किया गया है।

अध्यादेश में यह प्रावधान

अध्यादेश में कहा गया है कि, किसी ग्राम पंचायत में, जहां अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के पचास प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए हैं वहां यथा संभव निकटतम रूप से कुल स्थानों की संख्या के पचास प्रतिशत की अधिकतम सीमा के अंतर्गत रहते हुए शेष स्थान, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे और ऐसे स्थान पर उस ग्राम पंचायत के भिन्न वार्डों को विहित रीति में, चक्रानुक्रम में कलेक्टर द्वारा आवंटित किए जाएंगे। यही प्रक्रिया जनपद पंचायतों के चुनाव में भी लागू होगी।

अजजा-आज के लिए 50 प्रतिशत से अधिक सीट

इस संबंध में अध्यादेश में कहा गया है कि किसी जनपद में, जहां अनुसूचित जातियों, जनजातियों के लिए पचास प्रतिशत या पचास प्रतिशत से अधिक स्थान आरक्षित किए गए हैं, वहां अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं हो पाया। पिछले समय जो सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित थी वह अब सामान्य के लिए आरक्षित हो गई हैं।

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित

न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561

• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग

अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

मकर संक्रांति पर खारुन गंगा महाआरती 14 को

रायपुर। वाराणसी एवं प्रयागराज की तर्ज पर खारुन गंगा महाआरती का आयोजन राजधानी रायपुर के महादेवघाट तट पर लगातार होता आ रहा है। पर्व विशेष पर इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इस बार 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन भव्य महाआरती का आयोजन किया गया है। खारुन गंगा महाआरती के संस्थापक एवं करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर एवं खारुन गंगा महाआरती प्रमुख आचार्य धीरज शास्त्री ने बताया कि वैसे तो हर पूर्णिमा पर यह आरती होती है, पर इस बार महापर्व के रूप में मकर संक्रांति के दिन यह बड़े ही भव्य स्वरूप में किया जा रहा है। 11 विद्वतजन ब्राह्मणों द्वारा महाआरती विधि-विधान से की जाएगी, इसमें अन्य लोग भी सहभागी बनेंगे। इसके बाद धार्मिक भजन संध्या में लल्लू भैया की प्रस्तुति होगी। पूरे आयोजन को भव्य रूप देने ऋषभ सिंह ठाकुर, सूर्या वर्मा, कायम सिंह, सुनील सिंह (बबलू), पप्पू सिंह, अखिलेश सिंह, प्रभात सिंह, प्रिया सिंह व पूरी टीम जुटी हुई है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज में दीक्षांत समारोह

रायपुर। इंडियन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल काउंसिल नई दिल्ली के तत्वावधान में 57वां दीक्षांत समारोह राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज कैम्पस हांडीपारा में शुक्रवार को हुआ। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के पितामह डॉ. काउंट सीजर मैटी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. वी. कुमार द्वारा गत सत्र तक के पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक दुबे और काउंसिल अध्यक्ष डॉ. कुमार ने अपना संबोधन दिया। डॉ. राधिका यादव, डॉ. हसीना साहू, डॉ. भुनेश्वरी साहू, डॉ. कौशल्या कहार, डॉ. नितांशा साहू, डॉ. विभूति अग्रवाल, डॉ. घनश्याम साहू, डॉ. विजय देवांगन, डॉ. खिलेंद्र सेन, डॉ. सुभाष उमरे, डॉ. प्रवीण साहू, डॉ. अशोक दुबे, डॉ. वेदप्रकाश साहू, डॉ. विभा दुबे, डॉ. सीमा दुबे, डॉ. अशोक चक्रधारी, डॉ. डिगेश्वरी चक्रधारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

गंदगी फैलाने वाले पर 4 हजार रुपए जुर्माना

रायपुर। कलेक्टर के निर्देश पर राजधानी रायपुर में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम शहर के विभिन्न बाजार एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में भी संचालित दुकानों और ठेला-गुमटियों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके तहत जहां भी सफाई का अभाव या गंदगी मिलने, सूखा और गीला कचरा के लिए अलग-अलग डस्टबिन नहीं मिलने, नाली-नाले में कचरा डालने पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को टीम ने जोन 5 क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद आश्रम के पास रायपुर विकास प्राधिकरण के आदर्श बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान यहां संचालित ठेला-गुमटियों में सफाई का अभाव मिला। इस पर कार्रवाई करते हुए ठेला-गुमटियों के संचालकों पर जुर्माना लगाकर 4 हजार रुपए की राशि वसूल की।

निधन

दक्ष डागा

रायपुर। टैगोर नगर निवासी दक्ष डागा (13) का 11 जनवरी को निधन हो गया। उसकी अंतिम यात्रा 12 जनवरी को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे गौरव डागा के पुत्र एवं चंदन, अनिल एवं सुनील डागा के पोते थे।

माखन चंद्र नाथ

रायपुर। शैलेंद्र नगर निवासी माखन चंद्र नाथ का 11 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 12 जनवरी को दोपहर 3 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे मलय नाथ, मानस नाथ, मनोज नाथ के पिता थे।

गाइडलाइन जारी हुए तीन दिन बीते पर एचएमपीवी जांच के लिए सैंपल एक भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस की पहचान के लिए गाइडलाइन जारी हुए तीन दिन बीत चुके हैं, मगर अस्पतालों से जांच के लिए एक भी सैंपल नहीं भेजे गए हैं। सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों का तर्क है कि अभी सर्दी-खांसी वाले मरीजों का टोटा है और हाईरिस्क में शामिल बच्चे और बुजुर्गों की संख्या तो एक भी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने तमाम चिकित्सा महाविद्यालयों और जिला अस्पतालों को गाइडलाइन के साथ संदेह होने पर सैंपल लेने का आदेश तो जारी कर दिया है, मगर राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में जांच की सुविधा नहीं है। इसके लिए टेस्ट किट का इंतजार किया जा रहा है, अभी सैंपल का टेस्ट केवल एम्स में हो सकता है। विभागीय अधिकारियों का तर्क है कि प्रदेश में अगर एचएमपीवी के मामले बढ़ते हैं, तो किट खरीदने की आवश्यकता होगी, जिसकी संभावना बेहद कम है। गाइडलाइन जारी होने के बाद अस्पतालों में इंफ्लुएंजा और रेस्पिरेटरी के मामलों की निगरानी की जा रही है। सबसे बड़े सरकारी अस्पताल के मेडिसिन और टीबी चेस्ट विभागों के चिकित्सकों का कहना है कि सर्दी-खांसी के मरीज बेहद कम संख्या में हैं और जिस दिन से एचएमपीवी की गाइडलाइन जारी की गई है, तब से यहां पांच साल से कम उम्र के बच्चे और 65 वर्ष से अधिक आयु वाले एक भी मरीज जांच के लिए नहीं पहुंचे। आने वाले दिनों में ऐसे लोग आते हैं, तो उनके सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा।

सर्दी-जुकाम वालों का टोटा, हाईरिस्क के मरीज एक भी नहीं

मौसम में बदलाव तभी मरीज

चिकित्सकों के मुताबिक मौसम में होने वाले बदलाव के शुरुआती दिनों में विभिन्न तरह की बीमारियों की समस्या उत्पन्न होती है। ठंड के मौसम को काफी दिन बीत चुका है और मानव शरीर इसका आदी हो चुका है। आने वाले दिनों में जब गर्मी के मौसम की शुरुआत होगी और ठंडा-गर्म की समस्या होगी, तो सर्दी-खांसी जैसी शिकायतें बढ़ेंगी। दूसरी ओर यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि ठंड की समाप्ति के बाद इस एचएमपीवी का जोखिम भी काफी कम हो जाएगा।

चर्चा कोरोना की वजह से

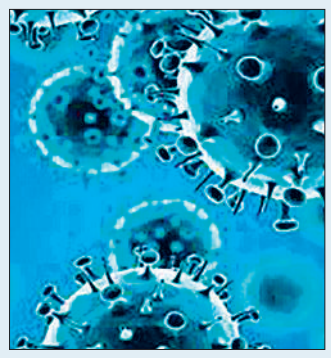

एचएमपीवी के देश में अब तक 14 मामले आ चुके हैं। चिकित्सकों का दावा है कि यह वायरस काफी पुराना है और खतरनाक नहीं है। इसके बाद भी यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, इसकी वजह कोरोना है। शुरुआती दिनों में कोरोना को हल्के में लिया गया था, मगर बाद में इसके भयानक मंजर ने सबको हिलाकर रख दिया था। पुराने कटु अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य विभाग का अमला इसकी रोकथाम के लिए गंभीरता दिखा रहा है।

सावधानी बरत रहे

एचएमपीवी को लेकर पूरी सावधानी बरती जा रही है। सभी अस्पतालों को आवश्यकता के अनुसार जांच के लिए सैंपल भेजने के निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में सर्दी-जुकाम की शिकायत कम है।

- डॉ. सुरेन्द्र पामभोई, संचालक, महामारी नियंत्रण

महिला समूहों का साढ़े 9 लाख अटका रोजी-रोटी बचाने बैंक से लिया लोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सालभर पहले गोधन न्याय योजना के तहत होने वाली गोबर खरीदी बंद कर दी गई। इससे गोठानों में स्वरोजगार चलाने वाले समूहों की महिलाओं के सामने रोजी-रोटी की समस्या शुरू हो गई है। कुछ समूह रोजगार बचाने के लिए लोन लेकर कर्जदार बन गए, वहीं कई समूहों का काम बंद है। इनका साढ़े 9 लाख का भुगतान अटका है। इसके लिए वे दर-दर भटकने मजबूर हैं।

- **सालभर पहले बंद हुई गोबर खरीदी, कई गोठानों को करवाया खाली काम भी बंद**

रायपुर निगम सीमा के अलग-अलग जोन क्षेत्र में गोबर खरीदी करने 6 साल पहले बनाई गई व्यवस्था ठप हो गई है। इससे गोबर से खाद, पेंट, दीए बनाने वाले स्व-सहायता समूह की महिलाओं के सामने नई चुनौती है। हर महीने होने वाली लाखों की कमाई बंद होने के साथ ही अब उन्हें व्यवसाय को जिंदा रखने के लिए बैंक से लोन लेने की नौबत आ गई है। समितियों से जुड़ी 150 से ज्यादा महिलाओं ने जो काम शुरू किया था, अब वह अधर में है। जरवाय के गोठान में स्वरोजगार चलाने वाली महिलाएं ही अभी खुद की पूंजी लगाकर विभिन्न तरह की सामग्री बना रही हैं।

साढ़े तीन लाख का लोन

जरवाय में गोबर खरीदने वाली गोवर्धन महिला क्षेत्र स्तरीय संघ की अध्यक्ष धनेश्वरी रात्रे ने बताया कि केन्द्र में निगम के आदेश के बाद से अब मवेशी पालक कम आते हैं। सालभर पहले जब गोबर खरीदी बंद की गई तो गोधन न्याय योजना का क्यूआर कोड भी खत्म हो गया। तब चार लाख का बकाया था, इसमें से अभी तक सिर्फ दो लाख ही मिला। दो लाख का भुगतान अभी नहीं मिला है। इसके लिए भटकना पड़ रहा है। 40 महिलाओं की रोजी-रोटी बचाने के लिए साढ़े तीन लाख का बैक लोन लिया है।

दूसरे अपना रहे स्वरोजगार

गोठानों में स्वरोजगार के लिए गोबर से विभिन्न तरह के प्रोडक्ट बनाने वाले समूह की महिलाओं से सहारनपुर (यूपी), मध्यप्रदेश जैसे राज्यों की महिलाएं प्रेरणा ले रही हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में गोबर से तैयार होने वाले प्रोजेक्ट को बंद करवा दिया है। इससे आत्मनिर्भर भारत की तर्ज पर महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने का दावा भी फेल होने लगा है। समूहों का बकाया भुगतान नहीं मिलने से उनकी मूल कमाई भी अधर में अटकी हैं। इसके लिए महिलाएं सहकारी समिति व निगम में भटक रही हैं।

पैसा नहीं मिला काम बंद

अमलीडीह में बनाए गए गोबर खरीदी केन्द्र की प्रमुख प्रतिमा नंद सागर ने बताया कि वंदना महिला स्वसहायता समिति द्वारा पंजीकृत मवेशी पालकों से गोबर खरीदी के बाद उसकी जानकारी गोधन न्याय के लिए बनाई गई वेबसाइट पर दी जाती थी। इसके बाद समिति को शासन से भुगतान मिलता था। अभी 5 लाख से ज्यादा भुगतान रुका हुआ है। इससे पहले हर महीने समय पर राशि खाते में ट्रांसफर होती थी, अब काम भी बंद करवा दिया है, इससे समुह की महिलाओं के सामने रोजी-रोटी की नई समस्या है।

समूह को हटा दिया गया

गोकुल नगर के गोठान में गोबर खरीदी के लिए कान्हा महिला स्वसहायता समुह को जिम्मेदारी मिली थी। समिति की अध्यक्ष सीमा सिंह ने बताया कि दो दिसंबर 2023 से ही पंजीकृत मवेशी पालकों से गोबर खरीदी शासन के आदेश पर बंद हुई। इसके बाद एक लाख रुपए समिति ने खर्च करके 7 महीने काम किया। तीन महीने पहले हमसे जगह खाली करवा दी गई। समिति को शासन से मिलने वाले दो लाख 50 हजार का भुगतान भी रुका है। इससे 15 महिलाओं के सामने रोजी-रोटी की चुनौती खड़ी है।

एनएसयूआई जोड़ेगी एक लाख नए सदस्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एनएसयूआई पूरे प्रदेश में एक लाख नए सदस्य बनाने जा रही है। इसके लिए सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा। इसका लक्ष्य प्रदेश के सभी कालेजों के छात्रों को संगठन से जोड़ना है। शनिवार को हुई प्रेसवार्ता में प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, इस अभियान के तहत एनएसयूआई के पदाधिकारी प्रदेश के हर कॉलेज कैंपस में जाकर छात्रों को संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

- **11 जनवरी से 26 जनवरी तक चलेगा सदस्यता अभियान**

इसके साथ छात्रों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का काम करेंगे। संगठन के मुताबिक, यह कदम छात्रों के अधिकारों की रक्षा और भाजपा सरकार की छात्र-विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए है। कॉलेज कैंपस के जरिए छात्रों को संगठन से जोड़ते हुए उनकी मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा।

महाविद्यालय स्तर पर सौंपी गई जिम्मेदारी

सदस्यता अभियान का शुभारंभ करते हुए सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को लक्ष्य पूरा करने के लिए पूरी मेहनत और प्रतिबद्धता से काम करने का आह्वान किया गया। निकाय चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य एनएसयूआई पदाधिकारी करेंगे। एक लाख नए सदस्य बनाने संबंधित यह अभियान 11 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। इसके लिए महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सदस्यता अभियान का पोस्टर विमोचन भी शनिवार को किया गया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा, जिलाध्यक्ष शांतनु झा, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, संगठन महामंत्री हेमंत पाल सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यायालय की मदद से वापस मिली 25 लाख रुपए की उधारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मित्र से कारोबार करने 25 लाख रुपए कर्ज की रकम चुकाने दिए गए चेक की रकम स्टाप पेमेंट कराने के मामले में हाईकोर्ट की दखल के बाद पीड़ित को 14 साल बाद वापस मिले। हाईकोर्ट ने रकम वापस नहीं करने पर दो साल कैद की सजा सुनाई। इसके बाद कारोबारी ने अपने मित्र को रकम लौटाई।

अमीत सिंह के वकील कृष्णा शर्मा के अनुसार पंडरी में कपड़ा कारोबार करने वाले विशाल जैन ने अपने मित्र अमीत सिंह से कारोबारी गतिविधि संचालित करने 25 लाख रुपए कर्ज लिया था। कर्ज की रकम अदायगी करने विशाल ने अमीत को आठ जनवरी 2011 को व्यवसायिक सहकारी बैंक रायपुर शाखा का चेक दिया था। अमीत बैंक से चेक की राशि बैंक से निकाल नहीं पाए। इसके लिए विशाल ने बैंक में स्टाप पेमेंट करा दिया। अमीत ने रुपए निकालने बैंक में चेक जमा किया। स्टाप पेमेंट होने की वजह से चेक बाउंस हो गया।

हाईकोर्ट की दखल के बाद मिली राशि

चेक बाउंस होने के बाद अमीत ने अपने वकील के माध्यम से रायपुर न्यायिक मजिस्ट्रेट में चेक बाउंस की याचिका दायर की। प्रकरण प्रमाणित नहीं होने पर 13 जुलाई 2017 को कोर्ट ने केस खारिज कर दिया। इसके बाद अमीत ने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद विशाल को पैसे लौटाने आदेश दिया। पैसा नहीं लौटाने पर दो वर्ष कैद की सजा सुनाई। इस पर अमीत ने अपने वकील के माध्यम से निचली अदालत में हाईकोर्ट के फैसले का पालन करने याचिका दायर की। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अमीत को विशाल जैन ने चेक की अनादरित राशि लौटाई।

खमतराई ब्रिज के नीचे अतिक्रमण नगर निगम ने तोड़ी 5 दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर की सड़कों को कब्जा मुक्त करने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शनिवार को नगर निगम, पुलिस और यातायात विभाग की संयुक्त टीम ने खमतराई ओवरब्रिज के नीचे अतिक्रमण कर बनाई गई 5 अवैध दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई की।

- **लोगों ने अवैध रूप से दुकानें बना ली थीं**

नगर निगम में कलेक्टर गौरव सिंह के प्रशासक का चार्ज संभालने के बाद से शहर की सड़कों पर सुगम व सुचारू रूप से गाड़ियों का आवागमन के लिए से लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत शहर की प्रमुख सड़कों के किनारे लगे ठेले-गुमटियों से लेकर ब्रिज के नीचे जमीन पर कब्जा कर बनाई गई दुकानों को भी हटाया जा रहा है। खमतराई ब्रिज के नीचे भी लोगों ने अवैध रूप से दुकानें बना ली थीं, जिसे थ्रीडी मशीन और श्रमिकों की सहायता से तोड़कर हटाया गया। इस कार्रवाई में जोन-1 कमिश्नर हितेंद्र यादव सहित निवेश विभाग, पुलिस एवं यातायात विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

विभाग सस्ते में...

माउंटेन मशीनों को जब्ती भी बनाया जाता है, लेकिन इन मामलों में सिर्फ उनके मालिकों के खिलाफ साधारण कार्रवाई करते हुए जुर्माना राशि लेकर गाड़ी व मशीन को छोड़ दी जाती है, जबकि कोर्ट में इस तरह के प्रकरण में एक साल की सजा या 5 लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान है। ***27 से 28 हजार रुपए जुर्माना, इसलिए खौफ कम:*** रेत का अवैध परिवहन मामले में विभाग प्रत्येक गाड़ी के मालिक से 27 से 28 हजार रुपए का अर्थदंड लगाकर राशि वसूल करता है। इस तरह साधारण सा जुर्माना देकर गाड़ी मालिक फिर इसी अवैध कारोबार में संलिप्त हो जाते हैं। यही कारण है कि रेत का अवैध कारोबार जिले में थम नहीं पा रहा है, वहीं दूसरी ओर साधारण जुर्माना देकर आसानी से छूट जाने से अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के हौसले भी बुलंद हैं। ***100 से ज्यादा गाड़ी दोबारा पकड़ी जा चुकी, सख्त कार्रवाई एक पर भी नहीं :*** रायपुर जिले में पिछले डेढ़ वर्ष में बिना रायल्टी पर्ची के रेत का परिवहन में संलिप्त सैकड़ों गाड़ियों को पकड़ा गया है। इनमें 50 से ज्यादा ऐसी गाड़ी भी शामिल हैं जो दोबारा पकड़ी गई हैं, लेकिन इनमें एक के खिलाफ भी अब तक सख्त कार्रवाई नहीं की गई है और न ही कोर्ट में प्रकरण बनाकर भेजा गया है। इस कारण जिले में अवैध कारोबार थम भी नहीं पा रहा है। ***दूसरे जिलों से भी आ रही बिना पर्ची के गाड़ियां:*** रायपुर की तरह धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद जैसे जिलों से भी रेत का अवैध कारोबार किया जा रहा है, क्योंकि इन जिलों की भी कई गाड़ियों को रायपुर में जांच के दौरान पकड़ा गया है।

तत्कालीन कलेक्टर भुरे...

का डर खत्म हो गया था, इसलिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जरूरी था। इसके तहत 1 साल तक की सजा या 5 लाख रुपए तक अर्थदंड लगेगा तो गाड़ी मालिक भी दोबारा अवैध परिवहन करने से डरेंगे।

पेज 13 के शेष ...

इस निर्देश के बाद करीब दो महीने तक रेत के अवैध कारोबार में कमी भी आई थी, लेकिन उसके बाद विभाग द्वारा पुनः स्वयं से कार्रवाई करना शुरू कर दी है।

दिल्ली की एक उड़ान..

पर चल रहे मरम्मत और अन्य राज्यों में असर दिखा रही ठंड विमानों में आवाजाही करने वाले यात्रियों पर दो दिन से भारी पड़ रहा है। शुक्रवार को रायपुर आने वाली की फ्लाइट डायवर्ट हो गई थी। वहीं रात्रि 9.20 दिल्ली से रायपुर आने वाली फ्लाइट सुबह चार बजे यात्रियों को लेकर रायपुर पहुंची। इस फ्लाइट में यात्रा करने वालों ने रायपुर में लैंड होने के बाद चैन की सांस ली। शनिवार को भी यातायात सामान्य नहीं हो पाया। सुबह दिल्ली से आने वाली एक फ्लाइट को अपने निर्धारित समय पर रायपुर में उतरने की अनुमति नहीं मिली, तो उसे नागपुर ले जाया गया, जिसकी वापसी सवा घंटे विलंब से हुई। वहीं 8.45 बजे रायपुर आने वाली दिल्ली की दूसरी उड़ान को कैंसिल किया गया। इसी तरह दिल्ली से दोपहर 1.45 बजे रायपुर आने वाली फ्लाइट नहीं पहुंची और यहां मौजूद दूसरे एयरक्राफ्ट को सवा दो घंटे विलंब से रवाना किया गया। दिल्ली की इंडिगो की चौथी तथा एयर इंडिया की एक फ्लाइट अपने समय से लेट से संचालित हुई। इसके साथ ही अन्य शहरों से आने वाली फ्लाइट भी विलंब से चली।

वार्षिक कैलेंडर जारी...

कैलेंडर जारी किया जाएगा, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्य विभाग द्वारा नहीं किया जा सका है। बीते वर्ष दिसंबर में इसकी घोषणा किए जाने की तैयारी थी। गौरतलब है कि शुक्रवार देर रात जारी हुए कैलेंडर में व्यापम ने संभावित तिथियों का जिक्र किया है। इसके मुताबिक, पहली 2025 में व्यापम की पहली परीक्षा 9 मार्च को होगी। वर्ष की अंतिम परीक्षा व्यापम 21 दिसंबर को लेगा। व्यापम की ओर से जारी किए गए वार्षिक कैलेंडर में 32 से ज्यादा परीक्षाओं की संभावित तिथियां दी गई हैं, जिसमें उप अभियंता, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक, एडीईओ से लेकर पुलिस कांस्टेबल, स्टॉफ नर्स, वार्ड ब्वॉय तक के पद शामिल हैं।

पद संख्या का...

संसाधन विभाग, आबकारी, उच्च शिक्षा संचालनालय, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक सहित अन्य विभागों के लिए भर्ती तिथि व्यापम ने अपने वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

जन्म : 28.10.1961
निर्वाण : 12.01.2009

स्व. राजेश जैन

आपके उदार व्यक्तित्व का
आलोक सदा हमारे प्रगति पथ को
प्रकाशित करता रहे...
अपने कर्तव्य के प्रति आपकी निष्ठ
और लगन हमे निरंतर प्रेरणा देती रहे...
आपकी स्मृतिया आशीर्वाद के
रूप में सदैव हमारे साथ बना रहे...

श्रद्धानवत् :-
इंदिरा जैन, सिद्धार्थ जैन, सुगंधा जैन, एवं समस्त परिवारजन व मित्रगण, रायपुर

राजेश पब्लिसिटी
ई-109 समता कालोनी, कृष्णा टॉकिज के पास, रायपुर (छ.ग.)
मो. 94252-08899, 99263-08899

नियमों को ताक पर किए जा रहे निर्माण कार्य

तकनीकी लापरवाही की वजह से दो मजदूरों की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अविनाश एलिगेंस की हाईराइज बिल्डिंग की चैली टूटकर गिरने की जो वजह सामने आई है, उसके मुताबिक निर्माण कार्य सुरक्षा नियमों का ताक पर रख कर किया जा रहा था। इसके चलते चैली गिरने से दो मजदूरों की मौत हुई है। राजधानी के अलग-अलग इलाकों में बिल्डरों द्वारा बड़े पैमाने पर हाईराइज भवनों का निर्माण किया जा रहा है। ज्यादातर निर्माण कार्य अकुशल मजदूर तथा ठेकेदारों द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण सामग्री के गुणवत्ताहीन होने की वजह से भी हादसा होने की बात कही जा रही है।

- **भवन निर्माण करने एनओसी देने से पूर्व एसडीआरएफ की राय लेने संबंधितों को कई दफा पत्र लिख चुके**

अविनाश ऐलीगेंस: सातवीं मंजिल की ढलाई में छत गिरी, आठ मजदूर दबे, दो की मौत

लोक निर्माण विभाग तथा निगम को बड़े भवनों के निर्माण करने एनओसी देने के पूर्व राज्य आपदा प्रबंधन ने उनसे भी अनुमति लेने दिसंबर में पत्र लिखा है। राज्य आपदा प्रबंधन पूर्व में भी लोक निर्माण विभाग तथा नगर निगम को बड़े भवनों की निर्माण के पूर्व एनओसी देने से पहले उनसे भी एनओसी लेने पत्र लिख चुका है। बावजूद इसके संबंधित विभागों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। चैली गिरने के पीछे क्या चूक रही है। यह जांच का विषय है, लेकिन प्रथम दृष्टया जो चूक सामने आई है। उसमें निर्माण के लिए उपयोगी सामाग्री के गुणवत्ताहीन होना पाया गया है।

इन नियमों के तहत छज्जा निर्माण

लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक लिंटल एवं छज्जा निर्माण के समय निम्नानुसार सावधानी बरतने के निर्देश हैं-

- छज्जे की मोटाई फिक्स ईंड (लिन्टल की तरफ) पर 12 सेंटीमीटर से कम न हो।
- छज्जे में डाले जाने वाले रिइनफोर्समेंट को उचित रीति से चेयर सहित डाला जाये ताकि कंक्रीटिंग के पूर्व वह दबे नहीं।
- संपूर्ण कंक्रीट कार्य में यह देखा जाये कि हनीकॉम्ब की स्थिति निर्मित न हो एवं लाईन-लेंथ का ध्यान विशेष रुप से रखा जाये।

स्लैब कार्य के लिए यह है मानक

- स्लैब एवं बीम कास्ट करने के पूर्व भी यह देखा जाये कि शटरिंग कार्य स्टील अथवा वांछित गुणवत्ता की वाटर प्रूफ प्लाई से निर्मित हो।
- रिइनफोर्समेंट की प्लेसिंग ठीक से की गई हो।
- रिइनफोर्समेंट के संबंध में ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड के एसपी 34 1987 में वर्णित निर्देशों का कड़ाई पूर्वक ध्यान रखा जाये।
- बीम तथा स्लैब कार्य में यह देखा जाये कि बीम तथा स्लैब के समस्त एंड पर टॉप रिइनफोर्समेंट एल आकार में मोड़ा जाकर नीचे लाया जाये।
- भवनों में सेंटरिंग में ही स्लोप दे दिया जाये ताकि वर्षा ऋतु के पानी को प्रवाहित करने के लिये कंक्रीट की मोटाई एक तरफ कम तथा एक तरफ ज्यादा करने जैसी गैर-तकनीकी व्यवस्थाएं न करना पड़े। बहुमंजिला भवनों में इस प्रकार की व्यवस्था मात्र रूफ लेवल पर ही की जाये।
- छत के ऊपर एक्सापांशन ज्वाईंट निर्धारित मापदण्डानुसार बनाये जाये।

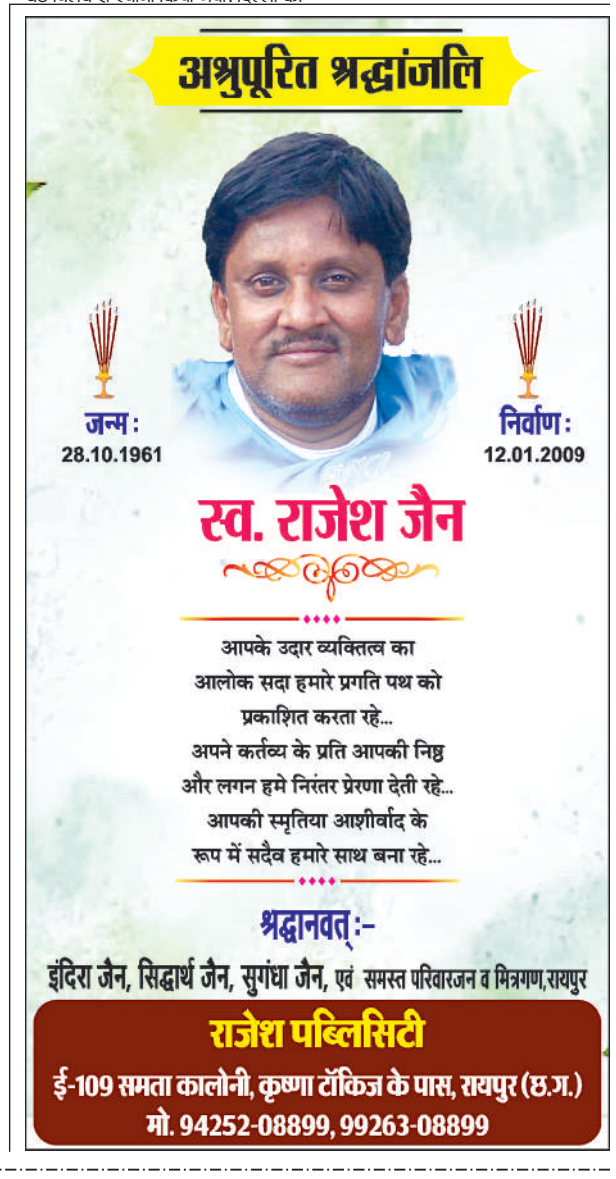

खबर संक्षेप

रविवि में 130 वृक्षों की कटाई विरोध में उतरी एबीवीपी

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के परिसर में बंजारी मंदिर के सामने और सीबीएस भवन के पास सैकड़ों वृक्षों की कटाई किए जाने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अभाविप ने इसे पर्यावरण और विश्वविद्यालय के सकारात्मक वातावरण के लिए गंभीर खतरा बताया है। अभाविप रायपुर महानगर मंत्री प्रथम राव फुटाने ने कहा, भवन निर्माण और मंदिर के विस्तार के नाम पर लगातार वृक्षों की कटाई हो रही है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पूर्व में जिन उद्देश्यों से वृक्ष काटे गए, न तो उनके लिए किसी भवन का निर्माण हुआ और न ही मंदिर का विस्तार। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वृक्षों को काटने की बजाय, परिसर में पहले से उपलब्ध खाली भूमि का उपयोग करना चाहिए। यदि 130 वृक्षों की कटाई पूरी हो चुकी है, तो अभाविप यह मांग करती है कि विश्वविद्यालय प्रशासन तुरंत 1300 नए वृक्षों का रोपण करे और उनके संरक्षण के लिए सुनियोजित योजना बनाए।

आहाना कथक में अव्वल कला सृजन सम्मान भी

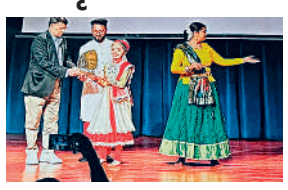

रायपुर। नृत्यधाम कला समिति द्वारा दुबई के जबिल कन्वेंशन सेंटर में 3 से 7 जनवरी तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति समारोह में रायपुर की आहाना अग्रवाल ने कथक नृत्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही उन्हें कला सृजन सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व आहाना ने हरिद्वार, भिलाई और उज्जैन में आयोजित समारोह में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। आहाना राजधानी रायपुर में संचालित 'अनहद ध्वनि संस्था की छात्रा हैं और प्रख्यात नर्तक गुरु युवराज बाग से 5 वर्ष की उम्र से नृत्य सीख रही हैं। इस संस्था की कु. प्लाक्षी वर्मा और श्रेयांशी वर्मा ने भी अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रियंका नायर ने भी अपने शानदार नृत्य द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माहिरा शेख और संस्था की संचालिका शिप्रा अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं।

मरीजों को अब बेड पर मिलेगी पैथोलॉजी रिपोर्ट

रायपुर। आंबेडकर अस्पताल में भर्ती मरीजों को अब उनके बेड पर ब्लड सहित अन्य पैथोलॉजी रिपोर्ट मिलेगी, उन्हें सैंपल देने के लिए भी लैब तक नहीं जाना होगा।
अस्पताल में भर्ती अंतःरोगी मरीजों के लिए प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है। अब वार्ड में भर्ती सभी मरीजों के पैथोलॉजिकल जांच के लिए उनका ब्लड सैंपल वार्ड में एकत्रित कर वार्ड ब्वॉय द्वारा लैब तक पहुंचाया जाएगा और जांच पश्चात ब्लड रिपोर्ट एकत्रित करके उसे संबंधित वार्ड में ऑन ड्यूटी नर्स को दिया जाएगा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मेडिसिन मेल वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 तथा मेडिसिन फिमेल वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 में भर्ती मरीजों के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है। धीरे-धीरे सभी वार्डों में सैंपल कलेक्शन सिस्टम की यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

रेडक्रास सोसायटी की बैठक 15 जनवरी को

रायपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा रायपुर की प्रबंध समिति का गठन, निर्वाचन के माध्यम से किए जाने हेतु, साधारण सभा की बैठक 15 जनवरी बुधवार को आयोजित किया गया है। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। निर्धारित समय सुबह 111 बजे सभी पदाधिकारियों को सदस्यों में बैठक में शामिल होने की अपील की गई है।

गणित का डर नहीं! मात्र 20% ही ले रहे बेसिक मैथ्स, 80% को चाहिए 'स्टैंडर्ड', सिलेबस एक लेकिन पर्चे अनेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के छात्रों का भय गणित से खत्म हो गया है। सीबीएसई की दसवीं की परीक्षाओं के लिए छात्रों द्वारा भरे गए परीक्षा फॉर्म को देखकर ऐसा ही प्रतीत होता है। दरअसल सीबीएसई दसवीं कक्षा के छात्रों को विकल्प देता है कि वे बेसिक अथवा स्टैंडर्ड मैथ्स में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं। दोनों के ही सिलेबस एक समान होते हैं। लेकिन सीबीएसई इनके लिए प्रश्नपत्र पृथक-पृथक रूप से सेट करता है। सीबीएसई के मुताबिक, बेसिक गणित के प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत सरल होते हैं। सिलेबस एक होने के साथ परीक्षा भी एक ही तिथियों में होती है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का मानना है कि कला और वाणिज्य संकाय में गणित के गहरे ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसे में दसवीं कक्षा में गणित विषय का बेसिक ज्ञान रखने वाले विद्यार्थियों को अगली कक्षा में पदोन्नत किया जा सकता है। हालांकि बेसिक गणित लेने वाले विद्यार्थियों को आगे चलकर मैथ्स या साइंस ग्रुप लेने की पात्रता नहीं होती है। वे केवल कला और वाणिज्य संकाय का ही चुनाव कर सकते हैं।

सीबीएसई दसवीं के विद्यार्थियों को देता है बेसिक और स्टैंडर्ड गणित चुनने का विकल्प

बीते दो सत्रों से मिल रही छूट

बेसिक मैथ्स लेने वाले विद्यार्थियों के लिए विषय चयन संबंधित नियमों में सीबीएसई द्वारा पिछले दो सत्रों छूट दी जा रही है। सीबीएसई ने बेसिक और स्टैंडर्ड का कॉन्सेप्ट दो वर्ष पहले लाया था। ऐसे में शुरुआत से ही छात्रों को इसमें छूट मिल रही है। परिणाम घोषित होने के पश्चात प्रवेश के दौरान सत्र 2022-23 और सत्र 2023-24 में बोर्ड ने बेसिक वाले छात्रों को भी गणित और विज्ञान में दाखिले की अनुमति प्रदान कर दी थी। आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर जिले में ऐसे छात्रों की संख्या सिर्फ 2% ही है, जो दसवीं में बेसिक गणित लेने के बाद 11वीं कक्षा में विज्ञान अथवा मैथ्स का चुनाव करते हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 50 हजार छात्र दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इनमें से दसवीं के छात्र 28 हजार के करीब होते हैं।

80:20 का अनुपात

जिले के विद्यालयों में स्टैंडर्ड और बेसिक गणित लेने वालों का अनुपात 80:20 का है। लगभग पूरे प्रदेश में यही स्थिति है। स्टैंडर्ड गणित लेने से सभी संकायों के विकल्प खुले रहते हैं।

-राजीव गुप्ता, अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन

कक्षाएं एक साथ

बेसिक और स्टैंडर्ड दोनों ही गणित का चुनाव करने वाले विद्यार्थियों की कक्षाएं एक साथ संचालित की जाती हैं। सिलेबस एक होने के कारण सभी स्कूलों में यही व्यवस्था होती है।

*- **आशुतोष सिंह,** संचालक, होली हार्ट्स स्कूल*

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक पर महिलाओं का बढ़ा विश्वास

महतारी वंदन योजना से डाकघर में खुले 5 लाख से अधिक नए खाते

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महतारी वंदन योजना की किस्त पाने के लिए पात्र महिला का बैंक में खाता खुला होने के साथ खाता आधार से जुड़ा होना तथा डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांजेक्शन (डीबीटी) कराना भी जरूरी है। बिना डीबीटी कराए किस्त की राशि हितग्राही के खाते में नहीं पहुंचेगी, लेकिन देखा यह जा रहा है कि सरकारी एवं निजी बैंकों में डीबीटी कराने के बाद भी किस्त की राशि महिलाओं के खाते में नहीं पहुंच रही है, जिसके कारण महिलाओं को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में महिलाओं को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक बड़ी राहत दे रहा है। डाकघर के अधीन संचालित इस बैंक की सुविधा डाकघर में महतारी वंदन योजना के नाम पर खाता खोला जा रहा है। खाता खुलवाने के बाद डीबीटी कराने के लिए अगल से कोई फार्म भरने के लिए नहीं कहा जा रहा है, क्योंकि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सीधे डीबीटी से सत्यापित है, इसलिए डीबीटी के लिए अलग से कोई फार्म भरने की भी आवश्यकता नहीं है। यही वजह है कि इस बैंक में खाता खुलवाने वाली महिलाओं के खातों में हर महीने की किस्त भी पहुंच रही है।

विभाग भी महिलाओं को पोस्ट इंडिया बैंक में खाता खुलवाने भेज रहा

डीबीटी कराने के बाद भी जिन महिलाओं के खातों में महतारी वंदन योजना की किस्त नहीं पहुंच रही है या फिर कुछ महीनों तक मिलने के बाद किस्त की राशि आना बंद हो गई है, इस प्रकार की समस्या लेकर कई महिलाएं संबंधित बैंक से लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग के दफ्तर भी पहुंच रही हैं। बैंक में जहां महिलाओं को एक ही जवाब मिलता है कि उनका डीबीटी हो चुका है। इसके बाद भी किस्त नहीं आ रही है, तो संबंधित योजना पोर्टल के साफ्टवेयर में कोई गड़बड़ी हुई है।

इस तरह बैंक में समस्या का समाधान नहीं मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग में महिलाओं को खाता से आधार का नहीं जुड़ा होना या फिर डीबीटी नहीं होना कारण बताया जा रहा है। महिलाएं जब बैंक के हवाले से दोनों सहीं होना बताया जा रहा है तो विभाग द्वारा उन्हें इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खुलवाने की सलाह दी जा रही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बैंकों में डीबीटी सही तरीके से नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण किस्त की राशि भी अटक रही है, इसलिए उन्हें इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता खुलवाने के लिए कहा जा रहा है।

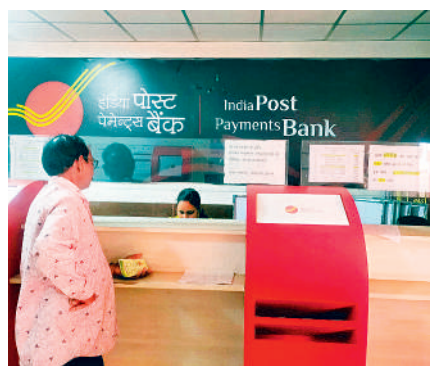

5 लाख 33 हजार नये खाते खुले

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में अब तक 5 लाख 33 हजार महिलाएं नये खाते खुलवा चुकी हैं। इन नए खातों के खुलने से राज्य में इंडिया पोस्ट के खाता धारक भी करीब साढ़े 12 लाख से बढ़कर 18 लाख के करीब पहुंच गए हैं। देश में खाता धारकों का यह आंकड़ा 10 करोड़ तक पहुंच चुका है।

इन योजनाओं की राशि पाने भी खोले गए हैं 4 लाख से अधिक खाते

इंडिया पोस्ट बैंक में महतारी वंदन योजना के तहत नरेगा, प्रधानमंत्री किसान फसल बीमा, पहल जैसी केंद्र सरकार की अन्य कई योजना के तहत भी लोगों ने खाते खुलवाएं हैं। इनमें नरेगा के तहत राज्य में 4 लाख तथा पीएम किसान योजना के तहत 2083 खाते खोले गए हैं।

एक मिनट में खुल रहा खाता

अधिकारियों के अनुसार इंडिया पोस्ट बैंक में खाता खुलवाने के लिए भी ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती। आधार की फोटो कापी एवं बायोमेट्रिक मशीन से फिंगर स्कैन करके एक मिनट के भीतर आसानी से धारक का खाता खुल जाता है।

बैंक डीबीटी से सत्यापित, इसलिए दिक्कत नहीं

हमारा बैंक डीबीटी सत्यापित है। इसके लिए खाता धारक को अलग से डीबीटी कराने की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए महतारी वंदन योजना की किस्त भी महिलाओं के खाते में बिना किसी रुकावट के पहुंच रही है। देशभर में 96 प्रतिशत महिलाओं के खातों में किस्त की राशि पहुंच रही है। 4 प्रतिशत उन्हीं खातों में फेल है, जिसमें आधार-मोबाइल नंबर की गलत जानकारी दी गई है।

- **रवि कुमार सिंह,** क्षेत्रीय प्रबंधक इंडिया पोस्ट पेमेंट्स रायपुर छत्तीसगढ़

परिचय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सतनामी समाज की हुई बैठक, बनी कार्यक्रम की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से 2 फरवरी को शहीद स्मारक भवन में राष्ट्र स्तरीय सतनामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को न्यू राजेंद्र नगर स्थित अकादमी भवन में समाज की अहम बैठक हुई, जिसमें प्रचार-प्रसार के लिए पांपलेट का विमोचन कर प्रमुखजनों को जिम्मेदारी बांटी गई। सम्मेलन में छग के अलावा देश के कई राज्यों में निवासरत सतनामी समाज के नवयुगल प्रतिभागी अपने लिए भावी मनचाहा जीवनसाथी पसंद करने राजधानी पहुंच रहे हैं। इस पूरे आयोजन का प्रसारण एलईडी बड़ी स्क्रीन पर लाइव चलेगा। अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि सम्मेलन में भारी भीड़ उमड़ती है, जिनकी सुचारू व्यवस्था के लिए बैठक में पंजीयन, प्रवेश व्यवस्था, मंचीय संचालन, पूजा व सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथि सत्कार, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविर आदि के लिए पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी बांटी गई है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन पंजीयन की सुविधा 31 तक

2 फरवरी को आयोजित होने जा रहे इस विशाल कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में प्रतिभागी न्यू राजेंद्र नगर स्थित अकादमी कार्यालय पहुंचकर अपना अग्रिम पंजीयन करा रहे हैं। ऑनलाइन व ऑफलाइन पंजीयन की यह सुविधा 31 जनवरी तक जारी रहेगी। बैठक में डॉ. जेआर सोनी, सुंदरलाल जोगी, चंपादेवी गेंदले, पं. अंजोरदास बंजारे, टिकेंद्र बघेल, नंदकुमार कोसले, कृपाराम चतुर्वेदी, लाला पुरेना, अरुण मंडल, उतित भारद्वाज, डॉ. मन्नूलाल चेलक, संतोष महिलांग, सुभाष कुर्रे, सुखदास बंजारे, तुलाराम टंडन, धनेश्वरी डांडे, ममता सोनी, सुनंदा बघेल, संगीता बालकिशोर, गिलेश्वरी गायकवाड़, पुष्पा, दयाराम जांगड़े, कमल कुर्रे, राधेश्याम बंजारे, अश्वनी डांडे सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

बारिश सीजन के 2 माह में 900 से अधिक रन वाटर पिट तैयार

रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए भारत सरकार ने नगर निगम के कार्य को सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश के मौसम में व्यर्थ बह जाने वाले पानी को संचित करने तथा भू-जल स्तर को बढ़ावा देने के लिए रायपुर नगर निगम क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बारिश सीजन के दौरान दो महीने में 900 से ज्यादा रेन वाटर पिट तैयार कराए गए हैं, जिससे उन क्षेत्रों में पानी का जल स्तर भी बढ़ा है। स्थानीय क्रेडाई पदाधिकारियों व बिल्डर्स के सहयोग से निष्पादित किए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्थापना कार्य के लिए भारत सरकार ने नगर निगम प्रशासन की सराहना की है। भारत सरकार ने जन सहभागिता से किए गए इस कार्य को सर्वोत्कृष्ट कार्य मानते हुए देशभर के नगरीय निकायों के लिए प्रेरक भी बताया है।

नेशनल बिल्डर्स कॉन्फ्रेंस में निगम देगा प्रेजेंटेशन

इस प्रोजेक्ट से जुड़े हाइड्रोलॉजिस्ट के साथ नगर निगम के अभियंताओं को मार्च माह में बिल्डर्स के नेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जा रहा है। इस कांफ्रेंस में रायपुर नगर निगम को भी आमंत्रित किया गया है। इस कांफ्रेंस में नगर निगम जन भागीदारी से अत्यधिक कम समय में जल संचय व संरक्षण के लिए अपने निष्पादित कार्य की संपूर्ण रूपरेखा व रोड मैप का प्रजेंटेशन राष्ट्रीय स्तर पर देगा।

जिन कालोनियों में वाटर हार्वेस्टिंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं, वहां पिट तैयार

निगम क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग पिट तैयार करने के लिए उन कालोनियों को चुना गया था, जहां वाटर हार्वेस्टिंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। निगम के मार्गदर्शन में इन कॉलोनियों में बारिश से पहले रेन वाटर पिट तैयार करने पर जोर दिया गया था। इस तरह केवल दो माह में ही 900 से भी ज्यादा रेन वाटर पिट तैयार किए गए, जो कि किसी भी नगरीय निकाय द्वारा जल संचय की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है।

जल शक्ति विभाग ने की सराहना

जल शक्ति विभाग भारत सरकार ने देश के नगरीय निकायों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इसमें रायपुर नगर निगम द्वारा जन सहभागिता से मितव्ययी व आधुनिक तकनीक का उपयोग कर कम समय में 900 से भी अधिक रेन वाटर पिट तैयार करने पर रायपुर की सराहना की। बैठक में अन्य निकायों को भी रायपुर नगर निगम की तर्ज पर वर्षा जल संचय के लिए योजनाबद्ध कार्य करने कहा गया है। उल्लेखनीय है कि वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकने के लिए नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने जो पहल की है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान व सराहना मिली है। आयुक्त के निर्देश पर निगम से संबद्ध हाइड्रोलॉजिस्ट डॉ. के. पाणिग्रही के तकनीकी मार्गदर्शन में ठोस रणनीति तैयार की गई। इसके तहत कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) और नगर निगम के जोन कमिश्नरों व अभियंताओं की निरंतर बैठक लेकर आयुक्त जल संरक्षण की दिशा में सभी को भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

जमीन भी फर्जी, बेचने वाला भी फर्जी, तीन गिरफ्तार

महिला को जमीन बेचने झांसे में लेकर की दो करोड़ की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जमीन बेचने के नाम पर ठगी का एक अलग तरह का मामला मंदिर हसौद थाना में आया है। जमीन बेचने के नाम पर दो करोड़ रुपए की महिला के साथ ठगी की गई है। ठगी के इस अनोखे मामले में किसी दूसरे का पहचान पत्र बनाकर ठगी की है। उस नाम की महिला ही नहीं है। इसके साथ ही जिस जमीन की रजिस्ट्री की गई, उस जमीन की वह मालिक ही नहीं है। ठगी की घटना में शामिल एक महिला सहित तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शंकर नगर निवासी महिला प्रवीण अग्रवाल की शिकायत पर पुलिस ने देवंतीन वर्मा, सतीश कुमार सिन्हा तथा रुकनुद्दीन उर्फ रुक्कू को गिरफ्तार किया है। प्रवीण ने पुलिस को बताया है कि उसने मंदिर हसौद में जमीन खरीदने अलग-अलग खसरा नंबर की दो जमीन का दो करोड़ में सौदा किया था।

रजिस्ट्री के बाद पता चला जमीन के साथ बेचने वाला फर्जी

प्रवीण ने पुलिस को बताया है कि सतीश तथा रुकुनुद्दीन ने देवंतीन को पुष्पा सारथी बनाकर उसके नाम से फर्जी पहचान पत्र बनाकर जमीन की रजिस्ट्री कराकर दो करोड़ रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराए। प्रवीण को बाद में पता चला कि उसने जिस पुष्पा सारथी नाम की महिला की जमीन रजिस्ट्री कराई है, उस नाम की कोई महिला ही नहीं है और न ही उसके पास कोई जमीन है। प्रवीण ने नवा रायपुर स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि पुष्पा सारथी नाम की किसी महिला के नाम की कोई जमीन नहीं है, ऐसे में पंजीयन कार्यालय ने कैसे जमीन की रजिस्ट्री की।

सवा तीन किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा तथा सिविल लाइंस पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो लोगों के कब्जे से सवा तीन किलो गांजा जब्त कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने गांजा बेचने के आरोप में जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें एक बदमाश तेलीबांधा थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

बिजनेस साइट

मोर हॉस्पिटल के तीन साल पूरे स्टाफ को किया सम्मानित

रायपुर। मोर हॉस्पिटल ने अपनी तीन साल की सफलता को यादगार बनाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें हॉस्पिटल के नर्सिंग, मैनेजमेंट और हाउस कीपिंग स्टाफ को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. एनके देवांगन (फाउंडर, एनकेडी) मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ. आरके पटेल (मेडिकल डायरेक्टर, मोर हॉस्पिटल), डॉ. वेदप्रकाश देवांगन, डॉ. देवप्रकाश देवांगन, डॉ. विकास लखमानिया, रवि देवांगन और डॉ. प्रज्वल सोनी की उपस्थिति में सभी ने कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया।

कोलंबिया के विद्यार्थियों का 'पाई इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड' में चयन

रायपुर। कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में हाल ही में पाई इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अंतिम वर्ष के एमबीए, बीटेक, डिप्लोमा और बीबीए के छात्रों के लिए कैम्पस रिक्रूटमेंट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कंपनी की ओर से सीनियर एचआर विजय कुमार जायसवाल और उनकी टीम ने छात्रों का चयन किया। चयनित छात्रों को 4 लाख से 8 लाख 50 हजार रुपए तक का वार्षिक वेतन प्रदान किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची में आयुषी येड़पुड़े, आयुषी गुप्ता, छाया झा, तान्या वर्मा, शीतल वर्मा, चंदन बाला, विवेक साहू, राहुल देवांगन, आदर्श त्रिपाठी, कुणाल, आयुषी वर्मा, मयंक खत्री और दिव्या रेड्डी शामिल हैं।

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 12 जनवरी 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

नया ट्रेंड : शादी से पहले स्टूडियों में ...

लाइव इवेंट

भाषण प्रतियोगिता में युवाओं ने दी सकारात्मक प्रस्तुति

रायपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्याल द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समरेंद्र सिंह ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि युवा वह है, जो मन से युवा है और अपने दैनिक गतिविधियों को सम्पन्न करने के लिए सकारात्मकता के साथ तत्पर है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए विभिन्न विषयों जैसे राष्ट्र निर्माण के लिए युवा, सकारात्मक विचारधारा से सफलता की ओर युवा, डिजिटल लिटरेसी में युवाओं का योगदान, सामाजिक समस्याओं के समाधान में युवाओं का योगदान, रोजगार सृजन में युवा आदि की पर्ची बनाई गई थी, जिसके आधार पर सभी प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी बात रखी।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीसीए द्वितीय के वंश वर्मा ने एंव द्वितीय स्थान बीएससी द्वितीय के अनिश वर्मा एवं बीसीए द्वित्तीय की छात्रा हरमीत कौर को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ।

नीता को स्वामी विवेकानंद नेशनल प्रिंसिपल अवॉर्ड

रायपुर। दिशा स्कूल की प्राचार्या नीता अवस्थी को स्वामी विवेकानंद नेशनल प्रिंसिपल अवॉर्ड-2024 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें होटल बेबीलॉन कैपिटल में आयोजित शिक्षाविदों एवं प्राचार्यों के सम्मेलन एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया। एक उपदेश मीडिया, ईईसी इंडिया एवं ए म आ ई टी यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के लगभग 400 शिक्षाविदों, प्राचार्यों एवं स्कूल संचालकों ने हिस्सा लिया। नीता अवस्थी को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।

राजधानी पहुंचे गीतकार और लेखक पद्मश्री जावेद अख्तर ने साझा किए अनुभव

समाज में भाषा की अहमियत घट गई, अब बच्चों को हिंदी के बजाय अंग्रेजी सिखाना ज्यादा जरूरी समझ रहे

बदलते समय के साथ सिनेता का स्वरूप काफी बदल गया है। जिस तरह की फिल्में पहले बनती थी, वर्तमान समय में ऐसा नही है। पहले की फिल्में लंबी चलती थीं, लेकिन आजकल की फिल्में पर्दे से जल्दी उतर जाती हैं। यह कहना है गीतकार और फिल्म पटकथा लेखक पद्मश्री जावेद अख्तर का।

रायपुर। शनिवार को वे मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित ऑल इंडिया स्टील कॉनक्लेव-2 में शामिल होने राजधानी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। अपने जीवन से जुड़े विभिन्न संघर्षों को याद करते हुए उन्होंने लोगों को मोटिवेट किया। उन्होंने समाज और सिनेमा के बीच के रिश्ते पर कहा कि ये दोनों ही चीजें एक तरह का आईना है, जिसमें दोनों तरफ से प्रतिबिंब दिखाई पड़ता है।

भाषा की अहमियत घट गई

कार्यक्रम में जावेद अख्तर ने विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज में भाषा की अहमियत घट गई है। हम अपने बच्चों को अंग्रेजी सिखाना ज्यादा जरूरी समझते हैं, लेकिन उन्हें हिंदी की किताबें पढ़ाने के बजाय अंग्रेजी के प्रति ज्यादा आकर्षित कर रहे हैं। सिनेमा के बदलते स्वरूप पर कहा कि यह समाज की बदलती रुचि का परिणाम है, क्योंकि हम जैसी फिल्में देखना चाहते हैं, वैसी ही फिल्में बन रही हैं। उन्होंने इस बदलाव को निर्माता-निर्देशकों की मानसिकता से जोड़ा, जो अब ग्रामीण जीवन को छोड़कर शहरों की तरफ रुख कर रहे हैं।

क्रिएटिव का मतलब कुछ नया करो

सारी कहानी, म्यूजिक क्रिएटिव नहीं है, क्रिएटिव का मतलब यह है कि जो किसी ने न किया हो, वो तुम करो। एक दिन वही गाने लिख रहे हैं, जो उन्होंने 25 बार लिखे हैं, ये क्रिएटिव नहीं है, ये तो एल्युमेंट कर रहा है। क्रिएटिविटी का मतलब नए अंदाज से सोचने पर लिखा गया हो। जैसे आपकी स्टील इंडस्ट्रीज है, जो अभी काफी ग्रोथ कर रही है, लेकिन जब कठिनाई का दौर आया था तो उसे कैसे सामना करना पड़ा था, यह सोचना होता है, ये क्रिएटिव होता है। अगर हम अपने काम में वही सब चीजें देंगे तो लोग उसे पसंद नहीं करेंगे।

फिल्म से सीन समझकर लिखा था गाना

अपने अनुभवों को साझा करते हुए जावेद अख्तर ने बताया कि इक लड़की को देखा तो ऐसा लगा.., यह गाना मैंने सीन को समझकर लिखा था। इस गाने को लिखने के पीछे मैंने सीन को ध्यान में रखा था। उन्होंने बताया कि जब यह गाना मैंने पूरा लिखा लिया था, तब डायरेक्टर ने पहले इसे सीन में फिट नहीं समझा था, लेकिन बाद में यही गाना लोगों के बीच लोकप्रिय हुआ। उन्होंने कहा कि सिनेमा और स्टील इंडस्ट्री में समानताएं हैं। स्टील इंडस्ट्री में जो उतार-चढ़ाव होते हैं, वही सिनेमा में भी होते हैं, उन्होंने इस पर भी विचार व्यक्त किए। सत्र के अंत में जावेद अख्तर को आयोजकों ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

तरक्की पर कभी घमण्ड नहीं करना

जावेद अख्तर ने कहा कि आदमी को अपनी तरक्की पर कभी घमण्ड नहीं करना चाहिए और अपनी तकलीफों तथा बुरे दिनों को भूलना भी नहीं चाहिए। जब हम बुरे वक्त से गुजर जाते हैं तो अलग-अलग तरीकों उसे बचाते भी हैं। असल में हम यह बताते हैं कि हम आए कहां से हैं, बताते यह हैं कि हम पहुंचे कहां तक हैं, इसमें भी एक घमण्ड है, ऐसा हमें कभी नहीं करना चाहिए। एक गंभीर लेखक व साहित्यकार होने के नाते भाषा की शुद्धता से लेकर कहावतों व मुहावरों पर भी बात की। यदि आज कोई मुहावरा कह दे तो लोग कहेंगे, कौन-सी सेंचुरी का आदमी है यह? सिनेमा व स्टील इंडस्ट्री में काम की समानता को लेकर किए गए एक सवाल पर कहा कि सिनेमा ज्यादा मुश्किल है। स्टील इंडस्ट्री में जिस प्रकार तेजी-मंदी का अभी दौर चल रहा है, क्या कुछ ऐसा ही हाल फिल्म इंडस्ट्री का है। इस पर उन्होंने हामी भरी।

डॉयलॉग को लेकर अमिताभ ने कभी नहीं की शिकायत

फिल्म शोले के हर किरदार को आप जानते है, गब्बर सिंह हों या मौसी मां, इन सबने अपने अभिनय के जरिए यह मुकाम हासिल किया है, लेकिन अभी वर्तमान में आपसे यह पूछा जाए कि तुमने कुछ महीने पहले फलाना-फलाना फिल्म देखी तो उसमें किसने तुम्हें हंसाया, रुलाया, तुम नहीं बता पाओगे। शोले फिल्म उस दौर की काफी लंबी फिल्म थी और इस 15 अगस्त को उसे 50 साल हो जाएंगे। वैसे ही दीवार फिल्म भी मार्च में अपने 50 साल पूरे कर रही है। फिल्मों के लिए गाने और डायलॉग तो बहुत लिखे, लेकिन कलाकारों की बात करें तो फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कभी शिकायत नहीं की, बल्कि जो वो लिखते थे, उससे कहीं ज्यादा वे किरदार में घुस जाते थे। डायलॉग बोलने वाले को लोग जानते हैं, लेकिन लिखने वाला हमेशा पीछे ही रहता है। लोगों ने कई सारे सवाल भी जावेद अख्तर से किए और उन्होने जवाब दिए। अंत में आयोजकों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

सिटी इवेंट

शहर के स्कूलों में एआई बेस्ड पढ़ाई नर्सरी के छात्र सीख रहे प्रोग्रामिंग

रायपुर। बीते कुछ सालों में भारत में तकनीकी क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है, वो चाहे किसी भी क्षेत्र में हो, लेकिन इसका सबसे ज्यादा प्रभाव शिक्षा के क्षेत्र में देखने को मिला है, जहां एआई तकनीक के माध्यम से स्कूलों में पढ़ाई होने से स्कूली बच्चों के शिक्षा के स्तर बदलाव आया है। साथ ही एआई तकनीक के सहारे छात्र अब किसी भी विषय को आसानी से समझ पाते हैं। इसी तरह राजधानी रायपुर में भी कई स्कूलों में एआई तकनीक के माध्यम से छात्रों को पढ़ाया जा रहा है, जिसमें नर्सरी के छात्र एआई तकनीक के सहारे नवाचार की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही एआई तकनीक के सहारे छात्र नए-नए इनोवेशन भी कर रहे हैं। विधानसभा रोड स्थित ब्राइटन स्कूल में भी एआई आधारित डिवाइज के माध्यम से सभी विषयों की पढ़ाई छात्रों को कराई जा रही है, जिसमें गणित के जियोमेट्री, ट्रिग्नोमेट्री, भौतिक के इलेक्ट्रॉन-प्रोट्रोन, सर्किट लाइट जैसे विषयों की वर्चुअल तरीके से प्रैक्टिस कराते हैं। इससे छात्र आसानी से विषयों के कॉन्सेप्ट क्लीयर कर रहे हैं।

स्पीकर, लाइट को वॉइस कमांड से ऑन-ऑफ करना सीख रहे नर्सरी के बच्चे

ब्राईटन स्कूल के शिक्षक सागर साहू बताते हैं कि एआई आधारित एम बोर्ड डिवाइज से नर्सरी के बच्चे घर में उपयोग होने वाले छोटी-छोटी चीजें बल्ब, स्पीकर को वाइस कमांड के मदद चालू और बंद करने जैसे छोटी-छोटी चीजों को प्रोग्राम कर रहे हैं। इससे उनका बेसिक लॉजिक, रिजनिंग बिल्डअप हो रहा है।

लीडरशिप डे पर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

रायपुर। ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल में फर्स्ट लीडर शिप डे का आयोजन किया गया। इस खास अवसर पर सात रंगों से परिसर को सजाया गया था। इंद्रधनुष प्रतियोगिता के आयोजन में विद्यार्थियों के साथ अभिभावक, मित्र और परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता अलग-अलग केटेगरी और विषय पर आधारित थी। बच्चों के साथ-साथ अभिभावक ने भी अपनी कल्पना में रंग भरा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नेतृत्व करने का गुण, प्रतिभा निखारने की कला, अपनी रुचियां पहचानने की क्षमता, पढ़ाई को मजेदार बनाने की विधि आदि को अपने पोर्टफोलियो के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्रों द्वारा बनाए गए पोर्टफोलियो को देखकर अभिभावक भावविभोर हो गए।

नाटक में बताया आदत का सिद्धांत

कार्यक्रम में छात्र, शिक्षक और अभिभावकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। लाइव आर्ट, म्यूजिक और नृत्य प्रस्तुत कर समागार में उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने सेवन हैबिट पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बहुत आसानी से दर्शकों को सेवन हैबिट के सिद्धांतों से अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कनन, डॉ. रितु रॉय, विशेष अतिथि स्कूल के चेयरपर्सन कृष्णकुमार नत्थानी, चेयरपर्सन अनुराग नत्थानी और स्कूल के डायरेक्टर प्रत्यूष पड़रहा उपस्थित रहे।

स्वावलंबी महिलाओं को मंच देने ग्लोबल इंडिया प्रदर्शनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ग्लोबल इंडिया द्वारा ग्लैम विंटर लाइफस्टाइल एंड फैशन प्रदर्शनी का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रदर्शनी की आयोजक तनु साहनी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की मीडिया प्रभारी कविता राठी रहीं। इस दौरान समाजसेवी सविता गुप्ता, चंदा राठी, दीप्ति बग्गा भी मौजूद रहीं।

देशभर से पहुचें डिजाइनर

तनु ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से यह आयोजन भोपाल में जारी है, इसी कड़ी में रायपुर में पहली बार यह आयोजन किया जा रहा है। जहां दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, जबलपुर सहित देश के अनेक शहरों से डिजाइनर युवतियां व महिलाएं पहुंची हैं। यहां खासियत ये रही कि उनके पास ऑफिस के फॉर्मल वियर से लेकर वेडिंग वियर, कैजुअल, पार्टी वियर ड्रेसेस की बड़ी रेंज उपलब्ध है। साथ ही राजधानीवासियों को भी एक ही छत के नीचे फुटवियर, हैंडबैग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी सहित बच्चों के लिए भी अनेक सामान सस्ती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। तनु ने बताया कि जनता का रुझान प्रदर्शनी को लेकर काफी अच्छा रहा है, रायपुरवासियों ने जमकर खरीदारी की है।

कार्नर न्यूज

युवा दिवस पर जानिए स्वामी विवेकानंद की रायपुर से जुड़ी यादें, 14 वर्ष की आयु में पहुंचे थे यहां

नागपुर से बैलगाड़ी में रायपुर आए थे स्वामी विवेकानंद 1877 में स्कूल की जगह बिना किताब के पिता से पढ़ते थे

रायपुर। स्वामी विवेकानंद देश के युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं, जिनके विचारों और आदर्शों में चलकर युवा अपना जीवन बेहतर बना रहे हैं। स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन के दो साल साल रायपुर में बिताए। उनकी स्मृतियां आज भी जीवित हैं। युवा दिवस पर टीम हरिभूमि रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम पहुंची। इस दौरान 1877-79 में रायपुर में बिताए दिनों के बारे में जानने का प्रयास किया। यहां युवा स्वामी विवेकानंद के जुड़े आदर्शों को जानने और समझने के लिए प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। आश्रम में स्वामी विवेकानंद की किताबें युवाओं की सकरात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

स्वामी विवेकानंद्र का पूर्व नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। वे सन 1877 में रायपुर आए, तब उनकी आयु 14 वर्ष थी और वे मेट्रोपोलिटिन विद्यालय की तीसरी श्रेणी, जो आज की आठवीं कक्षा के समकक्ष है, में पढ़ रहे थे। उनके पिता विश्वनाथ दत्त तब अपने कार्यवश रायपुर में रह रहे थे। उन्होंने अपने परिवार के लोगों को भी रायपुर बुला लिया। उनके कुछ जीवनीकारों ने लिखा है कि नरेंद्र एवं उनके घर के लोग नागपुर से बैलगाड़ी द्वारा रायपुर आए, पर नरेंद्र को इस यात्रा में जो एक अलौकिक अनुभव हुआ, वह संकेत करता है कि वे लोग जबलपुर से ही बैलगाड़ी द्वारा मण्डला, कवर्धा होकर रायपुर गए हों। उनके कथनानुसार, इस यात्रा में उन्हें 15 दिनों से भी अधिक समय लगा था।

पिता से मिली थी चांदी की घड़ी

डेढ़ वर्ष रायपुर में रहकर विश्वनाथ सपरिवार कलकत्ता लौट गए। तब नरेंद्रनाथ का शरीर स्वस्थ, सबल व हृष्ट-पुष्ट हो गया था और मन उन्नत। बहुत समय तक नियमित रूप से विद्यालय में न पढ़ने के कारण शिक्षक उन्हें ऊपर की (प्रवेशिका) कक्षा में प्रवेश नहीं देना चाहते थे। बाद में विशेष अनुमति प्राप्त कर वे विद्यालय की इसी कक्षा में दाखिल हुए। 1879 में परीक्षा दी। परीक्षा का परिणाम निकलने पर देखा गया कि वे केवल उत्तीर्ण ही नहीं हुए हैं, बल्कि उस वर्ष विद्यालय से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले वे एकमात्र विद्यार्थी रहे। उन्हें पिता ने उपहार-स्वरूप चांदी की एक सुंदर घड़ी दी थी।

इन दो घटनाओं से नरेंद्रनाथ से बने स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद नेबाल्यावस्था में रायपुर में उन्होंने शतरंज खेलना भी सीख लिया और अच्छे-अच्छे खिलाड़ियों के साथ वे होड़ लगा सकते थे। फिर रायपुर में ही पिता विश्वनाथ बाबू ने नरेंद्र को संगीत की पहली शिक्षा दी। एक समय स्वामी विवेकानन्द पिता के पास गए और उनसे पूछ बैठे,'आपने मेरे लिए क्या किया है?' तुरन्त उत्तर मिला, 'जाओ, दर्पण में अपना चेहरा देखो! स्वामी विवेकानंद ने तुरंत पिता के कथन का मर्म समझ लिया, वे जान गए कि उसके पिता मनुष्यों में राजा हैं। स्वामी विवेकानंद ने अपने पिता से पूछा कि संसार में किस प्रकार रहना चाहिए, अच्छी वर्तनी का मापदण्ड क्या है? इस पर पिता ने उत्तर दिया था, 'कभी आश्चर्य व्यक्त मत करना।' क्या यह वही सूत्र था, जिसने नरेंद्रनाथ को विवेकानंद के रूप में समदर्शी बनाकर, राजाओं के राजप्रसाद और निर्धनों की कुटिया में समान गरिमा के साथ जाने में समर्थ बनाया था।

कैमरा माइयूल, जिससे ब्लाइंड आसानी से घूम सकेंगे

शिक्षक सागर बताते हैं कि पांचवी से आठवीं क्लास तक के बच्चे एआई आधारित ऑर्डिनो माइक्रो कंट्रोलर डिवाइस के उपयोग से इलेक्ट्रॉनिक चीजें जैसे मल्टीकलर बल्ब, रिमोट कंट्रोल और सेंसर से ऑटोमेटिक तरीके से घर इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड के स्वीच को कंट्रोल करने जैसे प्रोग्राम तैयार करना सीख रहे हैं। इसके अलावा हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के छात्रों ने एआई तकनीक से ब्लाइंड विजन नाम की मशीन तैयार की है, जिसमें कैमरा माइयूल लगा हुआ है और उसे लगाने के बाद आसपास की चीजों के बारे कैमरा ब्लाइंड लोगों को कमांड देगा। साथ ही नोट को पहचानने, दिशा निर्धारित करने में भी मदद करेगा। इसके अलावा टॉकिंग मशीन, ब्लाइंड ग्लासेस, ब्लाइंड स्टिक भी ऑर्डिनो माइक्रो कंट्रोलर डिवाइस के माध्यम से प्रोग्राम कर तैयार की है।

कैंपस लाइव

भारत स्काउट्स-गाइड्स : 10 मिलियन मेंबरशिप के लिए छत्तीसगढ़ भी तैयार

रायपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के 10 मिलियन मेंबरशिप के लक्ष्य में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ राज्य भी तैयार है। दो दिवसीय मेंबरशिप ग्रोथ वर्कशॉप में जिला एवं ब्लॉकवार टारगेट सेट कर स्ट्रेटजी प्लान को अंतिम रूप देने वर्कआउट किया गया। इंडस पब्लिक स्कूल में जिला संगठन आयुक्तों के लिए दो दिवसीय मेंबरशिप ग्रोथ वर्कशॉप का आयोजन किया गया। राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव के दिशा निर्देश पर आयोजित वर्कशॉप में राज्य मुख्यालय के पदाधिकारी तथा जिलों से जिला सचिव, जिला संयुक्त सचिव एवं स्काउटर, गाइडर भी शामिल हुए। इंटीग्रेशन सेशन कोरबा जिले की सीनियर रेंजर्स टीम ने पूरा किया। एक्सपेक्टेशन एवं ऑब्जेक्टिव सेशन एएलटी गाइड केप्टीन एवं ग्रोथ फेसिलिटेटर पुष्पा शांडिल्य द्वारा लिया गया। कार्यशाला के मूल विषय ग्रोथ क्या है, इसकी आवश्यकता क्यों है।

बैठक में आगामी 2026 के लिए टारगेट निर्धारित

स्टेट कोऑर्डिनेटर ने मेंबरशिप ग्रोथ के तहत निर्धारित राज्य एवं जिलों के लक्ष्य की जानकारी दी। मार्केट शेयर के बारे में बताया। इस दौरान प्रतिभागियों को कोरिलेशन एक्सराइज के तहत जिले के मेंबरशिप के लक्ष्य को ब्लॉकवार विभाजित किया तथा 2026 के लिए टारगेट सेट किया। प्रतिभागियों को डिस्ट्रिक ग्रोथ स्ट्रेटजी प्लान कैसे तैयार किया जाना है, इसकी जानकारी दी। राज्य सचिव कैलाश सोनी ने स्काउटिंग में स्टेकहोल्डर्स क्या है, इसकी विस्तार से जानकारी दी। सोनी ने जिलों को ग्रोथ के लिए किस तरह से कार्ययोजना तैयार की जानी है, इसके बारे में बताया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) शैलेन्द्र मिश्रा ने बेसिक कोर्स और इससे जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर फोकस किया।

सिटी लाइव

गुड टच-बैड टच और हेल्थ को लेकर स्कूली बच्चों को किया गया जागरूक

रायपुर। शासकीय मिडिल स्कूल कोड़िया के प्राथमिक छात्रों के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें अच्छे और बुरे स्पर्श, स्वच्छता और सफाई जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वस्थ भोजन की आदतें, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग पूर्वाग्रह, कैरियर मार्गदर्शन और खेल पर स्कूली छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। इन सत्रों का उद्देश्य छात्रों को उनके व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ शिक्षित और सशक्त बनाना था। इस पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिससे कॉलेज की सामुदायिक सेवा और समग्रता के प्रति समर्पण को उजागर किया गया शिक्षा।

प्रशिक्षण और व्याख्यान भी हुआ

विभागाध्यक्ष डॉ. देबजानी मुखर्जी ने मनोविज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण, फील्डवर्क और अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। विभागाध्यक्ष डॉ. देबजानी मुखर्जी द्वारा संयोजित और विभाग के शिक्षकगण डॉ. अंकिता देशमुख, डॉ. सुमिता सिंह और डॉ. निम्मी वर्गीस द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में एमए मनोविज्ञान के छात्रों द्वारा आयोजित इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे। बच्चों में समय के साथ आने वाले मनोवैज्ञानिक बदलाव को लेकर भी जानकारी प्रदान की गई।

लाइव इवेंट

ब्यूटी पेजेंट और बिजनेस अवार्ड में बिखेरा जलवा

रायपुर। दिवा ऑफ छत्तीसगढ़ 2025 ब्यूटी पेजेंट और बिजनेस अवार्ड के क्रम में इस बार भी एसएस फाउंडेशन भिलाई ने पहल की। वीआईपी रोड स्थित एक होटल में किए गए आयोजन में फैशन का जलवा बिखेरने होड़ मची। आयोजक शिखा साहू ने शनिवार को यह जानकारी पत्रकारवार्ता में देते हुए बताया कि नई प्रतिभाओं को मिस और मिसेज बनने के लिए यह प्लेटफॉर्म दिया गया। उनकी प्रतिभा को सामने लाना और उनके हुनर को बढ़ावा देना ही इसका उद्देश्य रहा है। इनके बीच सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में रिमी सेन थीं। इस बार मिस खुशबू गुप्ता, मिसेज (गोल्ड) दीक्षा व मिसेज (क्लासिक) अर्पणा वर्मा रही।

पहनावे में संस्कृति की छाप

अवार्ड को दो राउंड्स में तय करना था। पहला राउंड्स कलर्स ऑफ इंडिया और दूसरा वेस्टर्न राउंड था। पहले राउंड में प्रतिभाओं ने इंडिया की संस्कृति को पहनावे के रूप में पेश किया। दूसरे राउंड में सभी मिस, मिसेज ने गाउन पहनकर प्रदर्शन किया। निर्णायक के रूप में प्रेरणा थापरड़े, रश्मि डे शिंदे, अंकिता शर्मा और अंशु कुमारी शामिल हुई। वहीं अतिथि के रूप में इंदरजीत सिंह, तिमेंद्र शेखर, निर्मल सिंह, शेखर सोनी, आकाश पांडे शामिल हुए।

● सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने समाज के लोगों ने अलग-अलग क्षेत्र में सजाई श्रृंखला

नया ट्रेंड : शादी से पहले स्टूडियो में युवाओं ने बताई पसंद, सरोकार बढ़ाने दिनभर सम्मेलन

'शहर में रहने वाले अलग-अलग समाज के लोग सरोकार से जुड़ी समस्या का समाधान निकालने के लिए सम्मेलनों व अधिवेशनों की श्रृंखला भी सजाने लगे हैं। इससे शहर के भवनों, रिसोर्ट व ऑडिटोरियम में लोगों को उत्सव का माहौल देने का प्रयास जाने लगा है। इस कड़ी में अग्रवाल समाज ने शादी से पहले युवकों व युवतियों को हाईटेक स्टूडियो में बैठकर अपनी पसंद बताने का अवसर दिया। यह सिलसिला रविवार को भी दिनभर चलने वाला है।'

रायपुर। मुझे ऐसा जीवनसाथी चाहिए, जो मेरे माता-पिता का सम्मान करे। नशे से दूर रहने वाले युवा सम्मेलन में पहली पसंद रहे। युवतियों ने भावी जीवनसाथी में किस तरह के गुण और पारिवारिक माहौल चाहती हैं, पर्दे के पीछे बैठकर यह बताने का प्रयास किया। इसे प्रोजेक्टर के माध्यम से देखने वाले परिवार के लोगों ने भी रिश्ते की डोर को मजबूत करने के लिए अलग-अलग क्षेत्र से आए समाज के लोगों ने चर्चा भी शुरू की। इसके लिए देश के अलग-अलग राज्यों से आए 150 युवक-युवतियों ने शनिवार को अपनी पसंद बताई।

जरूरी है ऐसे आयोजन

छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच के राष्ट्रीय आयोजन में समाज के युवाओं ने परिचय दिया। इस सम्मेलन का शुभारंभ निरंजन धर्मशाला में हुआ। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव मौजूद थे। सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए समाज के लिए इस तरह के आयोजन को मील का पत्थर बताया। बतौर विशेष अतिथि सांसद बृजमोहन शामिल हुए। इनके बीच सुनील रामदास अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल कांटाभाजी, वंदना अग्रवाल ने भी अपनी बात रखी।

आज भी दिनभर देंगे परिचय

अध्यक्ष कन्हैया गोयल, संयोजक हरिवल्लभ अग्रवाल ने टीएस सिंहदेव का स्वागत किया। साथ ही बढ़ते दौर में परिचय सम्मेलन की महत्ता पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने मध्यभारत के 1200 प्रत्याशियों की परिचय पुस्तिका का विमोचन किया। इसके बाद सम्मेलन का सिलसिला शुरू हुआ। पहले दिन ही 150 युवाओं ने शादी से पहले जीवनसाथी चुनने के लिए स्टूडियो में बैठकर अपनी पसंद बताई। रविवार को भी परिचय सम्मेलन का क्रम दिनभर चलेगा।

मराठी की मिठास का मजा...

जब कोई मराठी बोलता है तो उसकी भाषा का मजा लेना चाहिए और गलती निकालने से बचना चाहिए। यह बात गजानन फड़के ने शनिवार को महाराष्ट्र मंडल में जारी बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय अधिवेशन में साहित्य सम्मेलन में कही। देशभर से आए कवियों ने कविता के जरिए वर्तमान परिस्थितियों के साथ रिश्ते-नातों की सच्चाई को ईमानदारी से सामने लाया। श्री फड़के ने कहा कि आठ सौ साल के बाद मराठी भाषा को केंद्र सरकार ने अभिजात भाषा का दर्जा दिया। यह हमारे लिए गर्व का विषय है।

समाज के बीच सीएम साय

साहित्य सम्मेलन के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुंचे। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए 10 लाख देने की घोषणा के बाद कहा कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ पड़ोसी राज्य हैं। इससे सांस्कृतिक ताना-बाना कायम है। इस दौरान उन्होंने मंच से कई लोगों को साहित्य सम्मान भी दिया। इसमें विधायक मोतीलाल साहू, सुनील सोनी और राजेश मूणत भी शामिल हुए। वहीं अध्यक्ष अजय काले, समन्वयक रामदास यशवंत जोगलेकर ने भी संक्षिप्त संबोधन में अपनी बात रखी।

शौण्डिक सम्मेलन में जमीन देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ शौण्डिक समाज ने शनिवार को राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ सम्मान समारोह का आयोजन लोटस रिसोर्ट में किया। इसमें विभिन्न राज्यों में रहने वाले समाज के लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी समाज के विकास के लिए शुभकामना दी। समाज की मांग पर जमीन देने की घोषणा में जगह तय होने के बाद निर्माण के लिए पैसे देने की बात कही। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना, मंत्री रामविचार नेताम, श्याम बिहारी जायसवाल के साथ समाज के प्रदेश अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता मौजूद थे।

सामाजिक मुद्दों पर आज चर्चा

सम्मेलन में शौण्डिक रत्न अलंकरण समारोह भी किया गया। इसमें समाज के कई प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया गया। वहीं देर रात तक सांस्कृतिक आयोजित किया गया, इसमे योगेश अग्रवाल और मोना सेन भी शामिल हुईं। 12 जनवरी को समाज के उत्थान और दिशा पर परिचर्चा एवं चिंतन बैठक की जाएगी। इसमें सभी राज्य के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य प्रदेश शामिल होंगे। इनके बीच समाज की एकता, समृद्धि और योगदान को लेकर चर्चा भी होगी। इसमें समाज को नई दिशा देने के लिए कई निर्णय भी लिए जाएंगे।

प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर भगवामय हुआ स्कूल

रायपुर। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह पूरे देशभर में देखने को मिला। इस दौरान शहर की शिवोम विद्यापीठ संस्था में भगवान राम की गाथा को छात्रों ने झांकी और नाटक के माध्यम मनमोहक प्रस्तुति देते हुए जीवंत किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विद्या भारती संगठन मंत्री देवकुमार साहू ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरुआत की। साथ ही संबोधन में छात्रों को रामजी के चरित्र का अनुसरण और अनुशासन जीवन में उतारते हुए, जीवन में निरंतर तरक्की करने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में स्कूल के चेयरमैन अवधेश शर्मा ने श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा की प्रासंगिकता को समझाया। साथ ही श्रीराम के चरित्र और आदर्शों अनुसरण जीवन उतारने की बात कही। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य, शिक्षक और स्टाफ सहित सभी छात्र अभिभावक मौजूद रहे। स्कूल के असिस्टेंट डायरेक्टर अशरफ अली ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

छात्र-छात्राओं ने दी भक्तिमय प्रस्तुति

भगवामय हुआ परिसर

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह बच्चों और स्कूल स्टाफ में देखने को मिला, बच्चों ने एक-दूसरे को गुड मॉर्निंग की जगह जय श्रीराम के संबोधन से नमस्कार किया। इस दौरान पूरा स्कूल भगवान श्रीराम के भजनों से राममयी रहा। सभी बच्चे और शिक्षिकों ने पूजा-अर्चना कर शंखनाद और महाआरती के साथ श्रीराम जय जय राम विजय मंत्र का सामूहिक पाठ कर उत्सव मनाया।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, वर्षगांठ पर शहर में उत्सव

अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा को एक साल बीत गए। इसकी खुशी आस्था केंद्रों में देखने को मिली। लोग सुबह और शाम को आसपास के धार्मिक स्थलों में दर्शन करने के लिए पहुंचे। इसके चलते दिनभर उत्सव का माहौल रहा। बंजारी मंदिर रावांभाठा, श्री सुरेश्वर महादेव, कचना समेत पुरानी बस्ती के मंदिरों में भी सुबह व शाम को विशेष पूजा-आरती में हर वर्ग के लोग शामिल हुए। कचना स्थित मंदिर में अयोध्या के लिए रवाना होने से पहले संत-महंत भी इसका हिस्सा बने। मंदिर के संस्थापक राजेश्वरानंद ने बताया कि उत्सव की श्रृंखला 22 जनवरी तक महोत्सव के क्रम में चलेगी।

पूजा के बाद आतिशबाजी

शहर के रजबंधा मैदान स्थित मेडिकल कॉम्प्लेक्स में अयोध्या में रामलला की स्थापना के एक साल पूरे होने पर हर्षोल्लास का माहौल रहा। रायपुर के दवा परिवार के मीडिया प्रभारी अश्विनी विग एवं संजय रावत की अगवाई में ढोल नगाड़े के साथ उत्सव मनाया गया। शाम को रामलला की प्रतिमा के सामने आरती के बाद आतिशबाजी की गई। उन्होंने बताया कि 13 जनवरी को इस कड़ी में मेडिकल कॉम्प्लेक्स में दोपहर को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस साल पड़ेंगे 4 ग्रहण, देश में 7-8 सितंबर को खग्रास चंद्रग्रहण

रायपुर। वर्ष 2025 में 4 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इस साल पहला राशि परिवर्तन 29 मार्च को न्याय के देवता शनि का होगा, जो कुंभ राशि को छोड़कर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। दूसरा राशि परिवर्तन देव गुरु बृहस्पति करेंगे, जो 14 मई को वृष राशि को छोड़कर मिथुन में प्रवेश करेंगे। तीसरा राशि परिवर्तन 18 मई को राहु व केतु करेंगे। राहु ग्रह मीन राशि को छोड़कर अपनी मित्र राशि कुंभ में चले जाएंगे और केतु कन्या राशि को छोड़कर सिंह में प्रवेश कर जाएंगे। इसके बाद देव गुरु अतिचारी होकर 18 अक्टूबर को मिथुन राशि को छोड़कर अपनी उच्च राशि कर्क में प्रवेश करेंगे। वहीं, आगे बृहस्पति वक्री होकर 5 दिसम्बर को मिथुन राशि में फिर से प्रवेश कर जाएंगे। ज्योतिषाचार्य और भगवताचार्य पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया कि मीन राशि में शनि के प्रवेश से कुंभ राशि वाले जातकों को उतरती साढे साती रहेगी। वहीं, मीन राशि को मध्यकालीन साढ़े साती और मेष राशि पर साढ़े साती प्रारंभ होगी।

14 जनवरी मक्रर संक्रांति से प्रारंभ होंगे पर्व, 30 मार्च से विक्रम संवत

न्यू आदर्श नगर स्थित महामृत्युंजय मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया कि मकर संक्रांति से प्रारंभ होने वाले विभिन्न पर्व व उत्सव इस वर्ष में अत्यधिक उल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाए जाने के संकेत हैं। वहीं, 30 मार्च से शुरू होने वाला विक्रम संवत 2082 व्यापारियों, कृषकों एवं श्रमिकों के लिए अत्यंत शुभदायक रहेगा।इस साल चार ग्रहण रहेंगे, जिसमें से भारत में 7-8 सितंबर को होने वाला चंद्र ग्रहण ही भारत में दिखाई देगा। जिसका सूतक 9 घंटे पहले से शुरू होगा। भारतीय समयानुसार यह खग्रास चंद्रग्रहण इस दिन सुबह 10 बजकर 40 मिनट से दोपहर 2 बजकर 18 मिनट के मध्य दिखाई देगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक मान्य नहीं रहेगा। उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों में दिखाई देगा। पं. पांडेय ने बताया कि खंड ग्रास सूर्य ग्रहण 29 मार्च भारतीय समयानुसार दिखेगा। 29 मार्च को दोपहर 2 बजकर 21 मिनट से शाम को 6 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए सूतक मान्य नहीं है।

कार्नर न्यूज

गांधी उद्यान में तीन दिवसीय प्रदर्शनी में उमड़ रही भीड़

स्मार्ट खेती के सीख रहे गुर, लंबी उम्र के पौधों की मांग

रायपुर। शहर में तीन दिवसीय फूल-सब्जी प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों की खासी भीड़ देखने को मिली। प्रकृति की ओर सोसायटी, उद्यानिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन, जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड आईजीकेवी और नगर-निगम के संयुक्त तत्वावधान में लगाई गई प्रदर्शनी में सुबह से लोगों का आना-जाना लगा रहा। प्रदर्शनी में बनाए गए सेल्फी पाइंट प लोग अपना फोटो क्लिक करने से नहीं चूके। प्रदर्शनी में टेरेरियम गार्डन में सालों-साल चलने वाले गार्डन के पौधे और कोकपीट से उगी सब्जी-भाजी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। सबसे ज्यादा फ्लॉवर्स की मांग यहां देखने को मिल रही है। प्रदर्शनी में फूलों को लंबे समय तक सुरक्षित और ताजा रखने तरीकों के बारे में बताया गया।

लंबे समय तक फूलों का ताजा रखने स्पंज का उपयोग करें

उद्यानिकी विभाग की ओर से फ्लॉवर स्टॉल की संचालिका प्रतीक्षा बंजारे ने बताया कि प्रदर्शनी में पहुंचे लोग फूलों से जुड़े बहुत से प्रश्न थे, इनमें सबसे ज्यादा फूलों को सुरक्षित और ताजा रखने बारे में लोगों ने पूछा। उन्होंने बताया कि आमतौर पर लोग प्लांट में लगे फूल को खाद और पानी बस देते हैं। जबकि लोगों को प्लांट लगे फूलों को खाद के अलावा डिस्प्रिन के घोल से बने पानी का छिड़काव करना चाहिए, साथ ही फूलों को ताजा रखने के लिए जड़ों में स्पंज लगाना चाहिए और समय-समय में पानी देने से फूलों की ताजगी लंबे समय तक रहती है।

इस तरह सालों-साल जिंदा रहेगा प्लांट

प्रदर्शनी में टेरेरियम गार्डन का स्टॉल लगाने वाली बिजल पिथालिया बताती हैं, टेरेरियम ग्लास से बना मिनी गार्डन है, जिसमें ओपन और क्लॉज गार्डन होता है, ओपन गार्डन में कांच के अंदर लगाने वाले पौधों को 15 दिन में पानी देते हैं। वहीं क्लॉज गार्डन, जिसमें ग्लास में एक बार पौधा प्लांट करने के समय पानी देते हैं, इसके बाद उसे ढंक देते हैं, फिर ग्लास के अंदर इकोसिस्टम से पौधे को बूंद-बूंद पानी मिलता है, जिससे सालों-साल प्लांट जिंदा रहेगा। आपको पानी या खाद देने की जरूरत नहीं होगी। टेरेरियम में हम थीम बेस्ड जंगल, पहाड़ जैसे डेकोरेटिव बना सकते हैं। इसकी कीमत 500 रुपए से शुरू है।

कोकपीट से तैयार भाजी में पूरी तरह से शुद्ध

प्रदर्शनी में अरबन फार्म्स का स्टॉल लगाने वाले संचालक ने बताया कि प्रदर्शनी में स्मार्ट फार्मिंग पर लोगों की दिलचस्पी देखने को मिल रही है, लोग इसको तैयार करने का तरीका पूछ रहे हैं। इसकी कीमत 250 रुपए से शुरू है। इसमें खाद की जरूरत नहीं होती, यह पूरी तरह से ऑर्गेनिक खेती है, जिसमें कोकपीट के नारियल से बने खोपरे को खाद के रूप में इस्तेमाल कर सब्जी-भाजी उगाते हैं और इसकी खासियत है कि यह पूरी तरह से शुद्ध खाद होती है, जिसमें सब्जियों का विटामिन पूरी तरह से मौजूद होता है। इसमें पालक, मेथी, मूली समेत सभी भाजी उगा सकते हैं। प्रदर्शनी में पहुंच रहे लोग जानकारी से साथ इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अभी तक सैकड़ों लोग खरीद चुके हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय शालेय खेल में छत्तीसगढ़ की पायल को योगासन में रजत

रायपुर। 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन 9 से 11 जनवरी तक है द रा बा द तेलंगाना में किया गया। जिसमें योगासन अंडर-14 बालिका वर्ग के लिए स्कूल गेम्स फैडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में काउन्सिल फार दी इंडियन स्कूल स र्टि फ़ि के ट ऍग्जामिनेशन्ज (सीआईएससीई) द्वारा आयोजित की गई ।इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए, छत्तीसगढ़ की पायल निर्मलकर ने आर्टिस्टिक इवेंट में रजत पदक जीता।पायल यहां रायपुर के भनपुरी योगाश्रम में नियमित निःशुल्क योगासन का अभ्यास करती है और शासकीय पुर्व माध्यमिक शाला, भनपुरी कक्षा 7 में अध्ययनरत है। साथ ही पायल ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय योग ओलंपियाड एवं 5वीं राष्ट्रीय योगासन खेल चैंपियनशिप में भी कर चुकी है। इस राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ योगासन टीम के दल प्रबंधक व कोच नूरेंद्र कुम्हार है।

राष्ट्रीय साइकिल पोलो में छत्तीसगढ़ की शानदार शुरुआत

रायपुर। 39वीं सब जूनियर बालक 43वीं जूनियर बालक 45वीं सीनियर पुरुष तथा 18वीं पुरुष फेडरेशन कप राष्ट्रीय साइकिल पोलो चैंपियनशिप 2024 25 का आयोजन 11 से 15 जनवरी तक रानाघाट ,पश्चिम बंगाल में किया जा रहा है। भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के सचिव विनायक चन्नावार ने बताया कि पहले दिन खेले गए लीग मैचों में छत्तीसगढ़ ने अच्छी शुरुआत की । फेडरेशन कप में छत्तीसगढ़ ने अपने प्रथम लीग मैच में मेजबान टीम पश्चिम बंगाल को 10 के मुकाबले 7 गोलों से परास्त कर अपनी विजय की शुरुआत की। इस मैच में शैलेंद्र, विकास, रोहन, माधव एवं शेखर ने 2-2 गोल किए।

अगले सब जूनियर वर्ग के प्रथम लीग मैच में छत्तीसगढ़ टीम का मुकाबला मेजबान टीम पश्चिम बंगाल से हुआ । छत्तीसगढ़ ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए पश्चिम बंगाल को 7 के मुकाबले 1 से परास्त किया। इसके पश्चात फेडरेशन कप में इंडियन आर्मी ने छत्तीसगढ़ को 6-3 के स्कोर से पराजित किया। सब जूनियर वर्ग में केरल रेड के साथ हुए मैच में छत्तीसगढ़ 5-2 की स्कोर से परास्त हुई दूसरी तरफ फेडरेशन कप में भारतीय वायु सेना ने छत्तीसगढ़ को 14-3 से परास्त किया, इस मैच में विकास, रोहन एवं माधव तीनों ने 1-1 गोल किए।

राष्ट्रीय बधिर शतरंज प्रतियोगिता में महेंद्र को मिला चौथा स्थान

रायपुर। 25वीं राष्ट्रीय बधिर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन मैसूर, कर्नाटक में किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ बधिर स्पोर्ट्स सोसाइटी की ओर से महेंद्र पाल व झनक देवांगन ने भी भाग लिया। दोनों ही खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और महेंद्र पाल ने इस राष्ट्रीय बधिर शतरंज प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त किया एवं उन्हें दस हज़ार की राशि सहित ट्रॉफी भी प्रदान की गई। महेंद्र पाल के इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ बधिर स्पोर्ट्स सोसाइटी के अध्यक्ष अनुपम मिश्रा एवं महासचिव नीलेश सिंह सहित सभी सदस्यगण ने बधाई दी है।

तीरंदाज़ गीतेश और पद्मा राष्ट्रीय खेल के लिए चयनित

रायपुर। 38 वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड के लिए अखिल भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा जारी सूची में छत्तीसगढ़ के दो तीरंदाज शामिल किए गए हैं। इनमे गीतेश यादव और पद्मा साहू का नाम शामिल है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका एवं छत्तीसगढ़ के तीरंदाजी संघ के समस्त पदाधिकारियों व कोच ने इन तीरंदाजों को बधाई दी है।

प्राकृतिक तरीकों का पालन करना सुरक्षित और प्रभावी उपाय

हाई कोलेस्ट्रॉल आ रहा है तो घबराने के बजाए इन प्राकृतिक तरीकों से पाएं राहत

कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने या बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) हाई होने पर अक्सर दवाओं के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है। लोग हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए दवा का सेवन करते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में आपको तुरंत दवाओं की जरूरत नहीं है। स्थिति की गंभीरता के अनुसार आप प्राकृतिक तरीके से हाई कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) को नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक तरीकों का पालन करना एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय हो सकता है, खासकर जब स्थिति अत्यधिक गंभीर न हो। यहां बताया गया है कि आप कैसे जान सकते हैं कि कब दवा की जरूरत है और कब प्राकृतिक उपचार पर्याप्त होगा।

लिपिड प्रोफाइल की जांच करें। इसमें तीन स्थिति होती हैं, जिसके आधार पर तय किया जा सकता है कि रोगी की दवा की जरूरत है या प्राकृतिक उपचार राहत दिलाने में सहायक है।

पहला, ट्राइग्लिसराइड्स, दूसरा गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और तीसरा ट्राइग्लिसराइड्स/एचडीएल का रेशियो। ट्राइग्लिसराइड्स 150 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर यानि एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। एचडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल): 40 एमजी/डीएल से अधिक (पुरुषों के लिए) और 50 एमजी/डीएल से अधिक (महिलाओं के लिए) होना चाहिए। एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल): 100 एमजी/डीएल से कम रहना चाहिए।

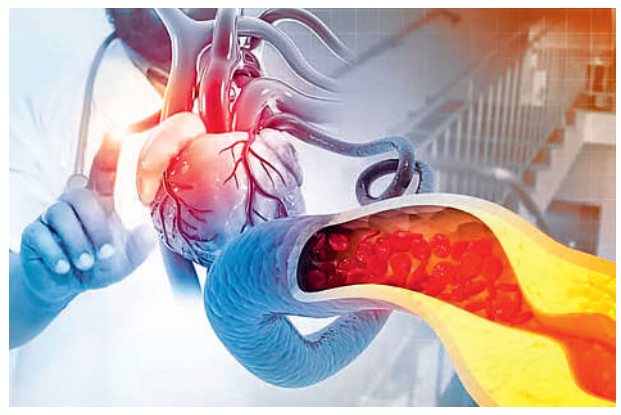

ट्राइग्लिसराइड्स का महत्व

यदि ट्राइग्लिसराइड्स/एचडीएल का रेशियो 1.5 से कम है, तो आपका हृदय स्वास्थ्य अच्छी है और दवा की आवश्यकता नहीं है। हालांकि रेशियो 1.5 से अधिक होने पर डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव की जरूरत होती है।

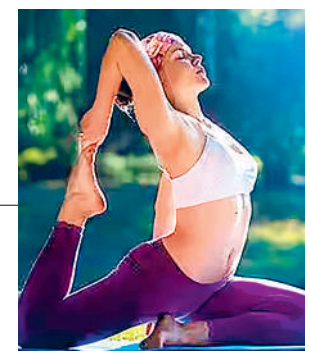

डाइट में बदलाव

ऐसी स्थिति में ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन बढ़ाएं। इसके लिए अखरोट, अलसी के बीज (फ्लैक्स सीड्स), चिया सीड्स, मछली (सैल्मन, मैकेरल) खाएं। हेल्दी फैट्स की पूर्ति के लिए नारियल का तेल, देसी घी और एवोकाडो का सेवन करें। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ में ओट्स, जई, ब्राउन राइस, फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड्स:

अदरक, लहसुन, हल्दी और काली मिर्च का नियमित सेवन करें। ग्रीन टी और लेमन टी भी सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं। प्रोसेस्ड फूड और ट्रांस फैट से बचें।

शारीरिक गतिविधि:

30 मिनट का रोजाना व्यायाम करें– वॉकिंग, योग या साइक्लिंग। हफ्ते में 4-5 दिन एक्टिव रहना आवश्यक है। साथ ही अतिरिक्त वजन को घटाएं क्योंकि मोटापा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का एक बड़ा कारण है।

तनाव प्रबंधन

तनाव मुक्त रहें। इसके लिए योगाभ्यास को जीवनशैली में शामिल करें। ध्यान और प्राणायाम भी असरदार हो सकता है।

कब दवा की जरूरत होती है?

एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्राल 190 एमजी/डीएल से अधिक होने पर। हृदय रोग का इतिहास होने पर या परिवार में किसी को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होने पर। डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर। अगर प्राकृतिक उपचार के 3-6 महीने बाद भी कोलेस्ट्रॉल में सुधार नहीं होता, तो डॉक्टर से परामर्श करें।

डायबिटीज और थायराइड के मरीज राहत के लिए रोज करें ये योगासन

डायबिटीज और थायराइड के मरीजों के लिए योग बहुत फायदेमंद हो सकता है। योग ऐसी बीमारियों से दूर रखने के साथ ही डायबिटीज या थायराइड में होने वाली शारीरिक समस्याओं को भी कम कर सकता है। नियमित योगाभ्यास से न केवल इन बीमारियों के लक्षणों को कम किया जा सकता है, बल्कि शरीर के प्राकृतिक संतुलन को बहाल करने में मदद करता है। योगासन शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखते हैं, मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं और रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

अगर आप या आपके परिवार में कोई सदस्य थायराइड या डायबिटीज का मरीज है तो साल 2025 में इस रोग से राहत पाने का दृढ़ संकल्प कर लें। इसके लिए असरदार योग के नियमित अभ्यास की आदत बनाएं। यहां कुछ योगासन बताए जा रहे हैं जो थायराइड और डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। साल 2025 की इन योगासनों का अभ्यास शुरू कर दें।

शवासन योग

थायराइड और डायबिटीज दोनों ही समस्या में शवासन का अभ्यास असरदार है। शवासन से शरीर को आराम मिलता है। तनाव दूर होता है और ऊर्जा बढ़ती है। ये आसन रक्तचाप, अनिद्रा और एंग्जायटी से भी राहत दिलाता है। इस आसन से हाई बीपी, नींद न आना, जल्दबाजी, चिड़चिड़ापन, बेचैनी जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

शवासन के अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटकर आंखें बंद कर लें। पैरों को फैलाएं और घुटनों व पंजों को आराम दें। हाथों को शरीर के साथ रखते हुए ध्यान धीरे-धीरे शरीर के हर अंग पर ले जाएं। धीमी और गहरी सांस लें।

हलासन

हलासन को हल मुद्रा भी कहते हैं। ये एक उल्टा आसन है, जिसे आधुनिक योग में व्यायाम के रूप में किया जाता है। हलासन से वजन कम करने में मदद मिलती है। पाचन में फायदेमंद है। मधुमेह के प्रबंधन में मदद करता है और थायराइड के मरीजों के लिए भी असरदार है। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और त्वचा व बालों के लिए फायदेमंद होता है।

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों हाथों को शरीर के पास रखें। हथेलियों को जमीन पर रखते हुए सांस भीतर की तरफ खींचें और पैरों को धीरे से ऊपर उठाएं। अब पीठ को भी ऊपर उठाते हुए सांस को बाहर छोड़ें। पैरों के पंजों को जमीन से छूने की कोशिश करें और 30 सेकंड इसी स्थिति में बने रहें। बाद में धीरे से पहली वाली अवस्था में लौट आएं।

धनुरासन

धनुरासन योग करने से शरीर धनुष के आकार में हो जाता है। कमर का लचीलापन बढ़ता है और कमर व रीढ़ मजबूत होती है। पाचन में सुधार के साथ ही ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। तनाव व थकान दूर होती है, साथ ही गुर्दे के कामकाज में सुधार आता है।

पोंगल पर तैयार करें चावल से बना खास व्यंजन, खाकर आ जाएगा मजा

पोंगल एक प्रमुख दक्षिण भारतीय त्योहार है, जिसे खासकर तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्य रूप से कृषि और फसल कटाई के पर्व के रूप में मनाया जाता है।

चार दिन चलने वाले इस त्योहार की शुरुआत मकर संक्रांति के दिन होती है। ऐसे में इस साल इसकी शुरुआत 14 जनवरी से होगी और समापन 17 जनवरी को होगा। इस दिन सूर्य देवता की पूजा की जाती है, क्योंकि सूर्य से ही फसलों को वृद्धि मिलती है।

पोंगल में घरों में विशेष पोंगल पकवान बनाए जाते हैं। ऐसे में हम आपको चावल से बनने वाले एक ऐसे पकवान के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जिसे आप इस त्योहार पर बना सकते हैं। हम बात कर रहे हैं इमली वाले चावल की, जो खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं।

इमली वाले चावल बनाने के लिए सबसे पहले चावल को पका लें और ठंडा होने दें। चावल पकाते समय ध्यान रखें कि चावल के दाने खिले हुए होने चाहिए। इसके बाद आपको इमली का पेस्ट तैयार करना है।

पेस्ट बनाने के बाद एक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इस पैन में सरसों के दाने डालें और चटकने दें। अब इसमें करी पत्ते, सूखी लाल मिर्च, मूंगफली, चना दाल, और उड़द दाल डालें।

धीमी आंच पर तब तक भूनें, जब तक मूंगफली और दाल सुनहरी न हो जाए। अब इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, और हींग डालें। तुरंत इमली का पेस्ट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अगर स्वाद बैलेंस करना हो तो गुड़ और थोड़ा पानी डालें। मसाला गाढ़ा और तेल छोड़ने तक पकाएं। अब ये मसाला पूरी तरह से तैयार है।

इस तैयार मसाले को ठंडे चावलों में डालें। चावलों और मसाले को अच्छे से मिलाएं, ताकि हर चावल के दाने पर मसाला चिपक जाए। आखिर में इसमें जरूरत के अनुसार नमक डालें।

लोहड़ी की अग्नि में जरूर डालें ये चीजें सुख-समृद्धि के साथ हो सकता है भाग्योदय

मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी का त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में मनाया जाता है। लोहड़ी में 'ल' का अर्थ है लकड़ी, ओह का अर्थ उपले, और ड़ी का मतलब रेवड़ी। इन तीनों को मिलाकर बना है लोहड़ी। लोहड़ी पर्व के पीछे कई सारी पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएं जुड़ी हुई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना और नई फसल का स्वागत करना है। लोहड़ी के दिन लोहड़ी की अग्नि में कुछ चीजें डाली जाती हैं जिसे को अग्नि देव को अर्पित करना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं क्या हैं वो वस्तुएं।

मूंगफली : लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली अर्पित की जाती है। मूंगफली अन्न का प्रतीक है और इसलिए इसे डालकर किसान अपनी फसलों की सुरक्षा की प्रार्थना करते हैं और आने वाले समय में अच्छी फसल की कामना करते हैं। मूंगफली को समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। लोहड़ी की आग में मूंगफली डालकर लोग अपने घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने की कामना करते हैं। किंवदंतियों के अनुसार, मूंगफली को देवी लक्ष्मी का पसंदीदा अन्न माना जाता है। इसलिए लोग लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली डालकर देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करते हैं।

रेवड़ी : हिंदू धर्म में अग्निदेव का बहुत महत्व है। लोग अग्निदेव को प्रसन्न करते हैं और लोहड़ी की अग्नि में ₹रेवड़ी₹ डालकर सौभाग्य और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। ऐसा माना जाता है कि लोहड़ी की अग्नि में रेवड़ियां डालने से बुरी शक्तियों का नाश होता है और घर में सुख-शांति आती है। कई लोगों का मानना है कि अगर रेवड़ी को लोहड़ी की अग्नि में अर्पित करने से बच्चों को नजर नहीं लगती।

काले तिल : ज्योतिष शास्त्र में काले तिल का बहुत महत्व है। ज्योतिष शास्त्र में काले तिल का प्रयोग नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए किया जाता है। इसलिए कहा जाता है कि लोहड़ी के दिन बुरी नजर से छुटकारा पाने और अच्छे स्वास्थ्य और सुखी पारिवारिक जीवन की कामना के लिए लोहड़ी की आग में काले तिल डाले जाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

डिज्नी ने बढ़ाया मदद का हाथ, आग से नुकसान से उबरने के लिए किया दान

लॉस एंजिल्स काउंटी के जंगल में लगी आग में अब तक काफी ज्यादा नुकसान हो चुका है। इस भारी क्षति को देखते हुए वाल्ट डिज्नी कंपनी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को कंपनी ने घोषणा करते हुए कहा कहा कि वह प्रारंभिक और तात्कालिक राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए एक करोड़ 50 लाख डॉलर (लगभग 120 करोड़ रुपये) दान करेगी। इस आग में अब तक हजारों घर और इमारतें जल चुकी हैं और कम से कम 10 लोग मारे गए हैं। आग की लपटों ने पैसिफिक पैलिसेड्स, मालिबू, पासाडेना और हॉलीवुड हिल्स में हजारों एकड़ जमीन जल डाली है। डिज्नी अपने एलान में कहा कि उसका दान अमेरिकी रेड क्रॉस, लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट फाउंडेशन और लॉस एंजिल्स रीजनल फूड बैंक जैसी संस्थाओं को जाएगा। वाल्ट डिज्नी कंपनी के सीईओ बॉब इगर ने कहा, ₹इस त्रासदी में वाल्ट डिज्नी कंपनी हमारे समुदाय और हमारे कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि हम सब मिलकर इस इस नुकसान से उबर सकें और पुनर्निर्माण कर सकें।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹वाल्ट डिज्नी ने लॉस एंजिल्स में अपनी कल्पना के साथ कदम रखा था। यहीं उसने अपने सपनों को आगे बढ़ाया और अद्भुत कहानियां बनाई जो दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम इस मजबूत और जीवंत समुदाय को इस कठिन समय में सहायता देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।₹ डिज्नी ने एलएएफडी जैसे प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं और केएबीसी के चौबीसों घंटे काम करने वाले पत्रकारों के इस सप्ताह के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक करोड़ 50 लाख डॉलर के दान के अतिरिक्त कंपनी अपने अपने कर्मचारी राहत कोष में और अधिक संसाधन देने का इरादा रखती है ।

टॉलीवुड

रद्द हुआ बालकृष्ण के 'डाकू महाराज' का प्री-रिलीज इवेंट, वजह बनी ये घटना

तिरुपति में वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ के बाद साउथ स्टार नंदमुरी बालकृष्ण अपनी आगामी फिल्म 'डाकू महाराज' के प्री-रिलीज इवेंट को मेकर्स ने रद्द कर दिया है। इस भगदड़ में छह लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। ट्वीट में मेकर्स ने लिखा, 'डाकू महाराज प्री-रिलीज इवेंट अपेडट। तिरुपति में हाल ही में हुई घटनाओं से हमारी टीम बहुत आहत है। भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में ऐसी घटना देखना दिल दहला देने वाला है। यह लाखों लोगों के लिए भक्ति, आशा और हमारे परिवारों की परंपराओं का एक हिस्सा है'। ट्वीट में लिखा है, 'परिस्थितियों को देखते हुए हमें लगता है कि डाकू महाराज प्री रिलीज इवेंट को प्लान के अनुसार नहीं किया जा सकता इसलिए लोगों की भक्ति और भावनाओं का सम्मान करते हुए हमने आज के कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया है। हम इस कठिन समय में आपसे समझ और समर्थन की आशा करते हैं'। 'डाकू महाराज' मकर संक्रांति के मौके पर 12 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में बालकृष्ण जबरदस्त भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही बॉबी सिम्हा, उर्वशी रौतेला, श्रद्धा श्रीनाथ, प्रज्ञा जायसवाल और चांदनी चौधरी जैसे कलाकारों की टुकड़ी भी है। इस फिल्म के लिए प्री रिलीज इवेंट अनंतपुर के श्रीनगर कॉलोनी, आंध्र प्रदेश में होना था, इसे भगदड़ के कारण रद्द कर दिया गया है।

भोजपुरी

आंखों में नमी, चेहरे पर उदासी आम्रपाली ने हाथ जोड़ मांगी माफी

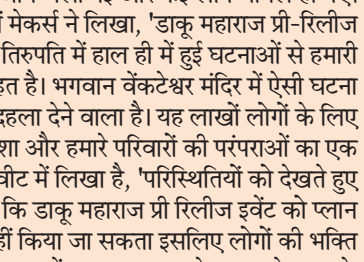

भोजपुरी सिनेमा की हर-दिल-अजीज एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों अपनी फिल्म 'सास कमाल बहू धमाल' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के ट्रेलर को खूब पसंद किया गया। अब इसका एक गाना 'रचनाकार हो' भी सुर्खियां बटोर रहा है। यह एक दर्द भरा गीत है, जिसे देखकर आम्रपाली दुबे के फैंस का गला भी रूंध रहा है। इस गाने को यूट्यूब पर 'फिल्मची भोजपुरी' चैनल ने बीते साल 26 दिसंबर 2024 को रिलीज किया था। खबर लिखे जाने तक 14 दिनों में इसे 13.38 लाख बार देखा जा चुका है। यही नहीं, इसे 3.5 हजार से अधिक लाइक्स भी मिले हैं। मेकर्स ने गाने को रिलीज करते हुए लिखा है, 'दिल के छू लेबे वाला गीत जवन इमोशन से भर दिही! आम्रपाली दुबे के 'सास कमाल बहू धमाल' भोजपुरी फिल्म के ई भोजपुरी वीडियो सांग दर्द से भरल पल में डूबा देत बा... भगवान के करीब, प्यार भरल संघर्ष अउर दिल के गहराई से लगाव के अहसास करा रहल बा!' इस खूबसूरत गीत को सिंगर काजल राज ने अपनी दर्द भरी आवाज से सजाया है। जबकि इसका संगीत साजन मिश्रा ने दिया है। गीतकार प्यारे लाल यादव हैं। गीत की शुरुआत आम्रपाली दुबे से होती है, जो आंखों में नमी, चेहरे पर उदासी लिए हाथ जोड़कर गांव वालों से माफी मांग रही हैं। आगे उनका जी मिचलाता है, जिससे समझ आता है कि वह गर्भवती हैं। 'सास कमाल बहू धमाल' फिल्म की कास्ट से मनी भट्टाचार्य, दीपिका सिंह और ज्योति मिश्रा भी इस म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। आप भी देखिए यह भोजपुरी सैड सॉन्ग और बताइए कि आपको यह गीत कैसा लगा।

फैशन वीक का जादू

पेरिस फैशन वीक स्प्रिंग में सेबेस्टियन मेयर और कोपरनी के अरनॉड वैलेंट कुछ "जादुई" लेकर आए थे। पिछले सप्ताह सिटी ऑफ़ द लाइट के भीतर कुल 66 फिजिकल रनवे शो और 40 प्रस्तुतियाँ हुई हैं, जिससे पेरिस फैशन वीक स्प्रिंग का सीज़न यादगार बन गया है। दर्शकों के दिल-दिमाग पर यह शो एक अमिट छाप छोड़ गया।

रात में सोते समय इन बातों पर ध्यान नहीं दिया तो खो जाएगी त्वचा की रंगत

यदि आजकल की बिगड़ी लाइफस्टाइल में त्वचा का सही से ध्यान न रखा जाए तो चेहरा अपने आप डल होने लगता है। इसके लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई बार ये प्रोडक्ट सही से काम नहीं करते। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार हमारी लापरवाही की वजह से चेहरा डल हो जाता है। इसके पीछे की एक सबसे बड़ी वजह होती है कि बहुत बार जल्दबाजी के चक्कर में हम ऐसे ही सोने चले जाते हैं। ऐसे में त्वचा का डैमेज होना बेहद ही आम बात है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिन बातों का ध्यान रख के आप अपनी त्वचा का खास ध्यान रख सकते है। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपकी त्वचा खिली-खिली रहेगी, वरना चेहरे की रंगत उड़ सकती है।

मेकअप हटाए बिना सोना

यदि आप रात के समय मेकअप को साफ किए बिना सोते हैं तो त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं, जिससे पिंपल्स और त्वचा की चमक कम हो सकती है। ऐसे में हमेशा मेकअप रिमूवर या माइल्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें और चेहरे को अच्छे से साफ करें।

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल न करना

त्वचा रात में खुद को रिपेयर करती है, लेकिन मॉइश्चराइजर न लगाने से यह प्रक्रिया धीमी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले अपनी

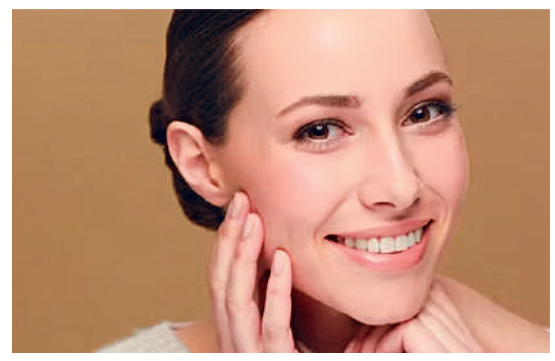

त्वचा के प्रकार के अनुसार नाइट क्रीम या हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा सुबह खिली-खिली रहे।

गंदे तकिए का इस्तेमाल

गंदे तकिए पर सोने से बैक्टीरिया और धूल आपकी त्वचा पर असर डाल सकते हैं, जिससे एक्ने हो सकता है। ऐसे में तकिए का कवर हर 2-3 दिन में बदलें और उसे साफ रखें।

त्वचा की नियमित सफाई न करना

सोने से पहले दिनभर की धूल और गंदगी को साफ करना बेहद

स्टाइल कर सकती हैं ये टिश्यू सिल्क साड़ी, देखें कुछ अलग डिजाइन

शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में हर कोई अपने लिए अलग डिजाइन वाले कपड़ों को सर्च करता है, ताकि उसे स्टाइल कर सके। इसमें से कई सारी महिलाएं ऐसी होती हैं, जो सबसे ज्यादा सिल्क साड़ी को पहनना पसंद करती हैं। लेकिन इस बार बनारसी सिल्क या कॉटन सिल्क की साड़ियों को स्टाइल न करें। इसके लिए आप ट्राई करें टिश्यू सिल्क साड़ी। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, इससे लुक भी सबसे अलग नजर आता है।

प्रिंट डिजाइन वाली टिश्यू सिल्क साड़ी

आप शादी लुक के लिए प्रिंट वाली टिश्यू सिल्क साड़ी को वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद अच्छी नजर आएगी। साथ ही, इससे लुक भी अट्रैक्टिव लगेगा। साड़ी में आपको बॉर्डर और प्रिंट दोनों तरह का डिजाइन मिल जाएगा। इससे साड़ी और भी अच्छी नजर आएगी। साथ ही, पहनने के बाद अच्छी लगेगी। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको आसानी से मिल भी जाएगी। जिसे वियर करके आप अच्छी लगेगी।

प्लेन डिजाइन वाली टिश्यू सिल्क साड़ी

आप सुंदर नजर आने के लिए प्लेन डिजाइन वाली टिश्यू सिल्क साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी भी पहनने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, इसे वियर करने के बाद लुक अट्रैक्टिव नजर आता है। इसके साथ आप चाहें तो स्टोन डिजाइन वाली ज्वेलरी और हैवी मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी मार्केट में भी आसानी से मिल जाती है, जिससे लुक अच्छा लगेगा।

बॉर्डर वर्क वाली टिश्यू सिल्क साड़ी

सुंदर नजर आने के लिए आप बॉर्डर वर्क वाली टिश्यू सिल्क साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आपका लुक अच्छा नजर आता है। साथ ही, आपको इसके साथ ज्यादा एक्सेसरीज स्टाइल करने की जरूरत नहीं पड़ती है। सिंपल लुक के साथ भी आप अच्छी लगती हैं। इस तरह की साड़ी को आप अपनी शादी में वियर कर सकती हैं। इससे आप अच्छी नजर आएंगी। साथ ही, आपको ज्यादा ऑप्शन सर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको आसानी से मिल जाएगी। साथ ही, वहीं से आप ज्वेलरी भी मैचिंग की खरीद सकती हैं।

सर्दियों में साड़ी के साथ स्टाइलिश तरीके से कैरी करें अपनी शॉल

साड़ी से बेहद आकर्षक लुक मिल सकता है। अधिकतर मौकों पर साड़ी प्रभावी लग सकती है। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं की पहली पसंद साड़ी हो सकती हैं। सर्दियों में भी साड़ी में गजब का आकर्षण दिखा सकते हैं लेकिन ठंड से बचने के लिए महिलाएं साड़ी के साथ शॉल कैरी करती हैं। हालांकि शॉल ओढ़ने का सामान्य तरीका आप के साड़ी लुक को साधारण बना सकता है। सर्दियों में किसी समारोह में शामिल हो रही हैं तो साड़ी के साथ शॉल को स्टाइलिश तरीके से कैरी करना जरूरी है। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं जो आपको साड़ी के साथ शॉल को खूबसूरत अंदाज में पहनने में मदद करेंगे।

ओपन फ्रंट ड्रेप अगर आप सिल्क की साड़ी पहन रही हैं तो शॉल को कंधे पर ओपन करके डालें और सामने से खुला छोड़ दें। ध्यान रखें कि इस तरह की साड़ी के साथ ऐसी शॉल को स्टाइल करें जिसका रंग साड़ी के बॉर्डर से मैच करता हो।

शॉल को बेल्ट के साथ लपेटें: किसी पार्टी या फॉर्मल इवेंट के मौके पर शॉल को बेल्ट के साथ पहनें। इसके लिए शॉल को एक

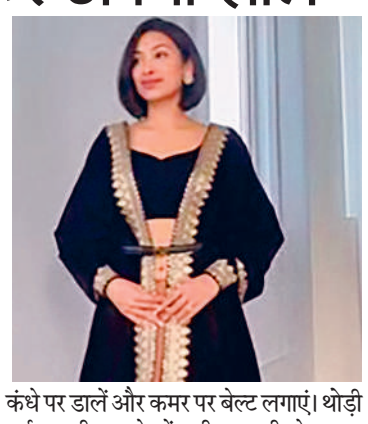

कंधे पर डालें और कमर पर बेल्ट लगाएं। थोड़ी वर्क वाली य स्टेटमेंट पीस वाली बेल्ट का चयन करें। ये आपके साड़ी लुक को एथनिक और मॉडर्न टच दे सकती है।

शॉल को साड़ी के पल्लू की तरह पहनें

शॉल को पल्लू की तरह कंधे पर रखें और सामने से हाथ में पकड़ें। स्टाइलिश लुक पाने के लिए कॉन्ट्रास्ट रंग की शॉल को चुनें जो लुक को और निखारेगी। इस स्टाइल के लिए आप हल्की या सिंपल साड़ी के साथ भारी शॉल को कैरी कर सकती हैं।

लुक में करना है ग्रेस ऐड तो स्टाइल करें सिल्वर ज्वेलरी, देखें डिजाइंस

जब भी हम किसी आउटफिट को स्टाइल करते हैं, तो इसके साथ ज्वेलरी वियर जरूर करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक में एक ग्रेस ऐड होता है। साथ ही, लुक भी अच्छा लगता है। लेकिन हर बार एक जैसी ज्वेलरी स्टाइल करके हमें भी लुक बोरिंग लगने लगता है। ऐसे में आप इस बार अलग लुक के लिए सिल्वर डिजाइन वाली ज्वेलरी को स्टाइल करें। इस तरह की ज्वेलरी पहनने के बाद अच्छी लगेगी। चलिए आपको बताते हैं किस तरह की ज्वेलरी आप वियर कर सकती हैं।

सिल्वर स्टोन वाला नेकलेस सेट

आप कुछ अट्रैक्टिव लुक के लिए सिल्वर स्टोन वाले नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सेट पहनने के बाद अच्छे नजर आएंगे। साथ ही, इसे पहनने के बाद आपका लुक अच्छा लगेगा। इसमें आपको सिल्वर स्टोन के साथ-साथ कलरफुल स्टोन का भी डिजाइन मिलेगा। इसके साथ मैचिंग इयररिंग्स और चाहें तो मांग टीका भी ले सकती हैं। इससे आप अच्छी नजर आएंगी। इस तरह के सेट आपको मार्केट में भी आसानी से मिल जाएंगे। जिसे वियर करके आप अच्छी लगेंगी।

सिल्वर डिजाइन वाले इयररिंग्स

आप कानों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए इयररिंग्स को वियर कर सकती हैं। इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, इसमें नीचे की तरफ वाली लटकन स्टाइल करने के बाद इयररिंग्स को और फैंसी दिखाएंगी।

कार्नर न्यूज

नौजवानों ने सर्दियों के फैशन को दिया है एक नया आयाम

नौजवानों का स्टाइल है निराला, सर्दियों में आकर्षक दिखने के लिए अपनाइए जेन-जी के तौर तरीके

आपका लुक काफी हद तक आपका प्रभाव तय करता है। यही कारण है कि नौजवानों की पीढ़ी यानि जेन-जी अपने लुक, फैशन और स्टाइल पर बहुत ध्यान देती है। जैसा कि मालूम ही है 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं की पीढ़ी को जेन-जी कहा जाता है। वह सर्दियों में भी ऐसे परिधान पहनती है, जिनसे उसके लुक में निखार आए। फैशन के साथ ही आज की पीढ़ी सहजता पर भी पूरा ध्यान देती है। एक समय था, जब महिलाएं सर्दियों में सजना-संवरना कम कर देती थीं, लेकिन जेन-जी ने सर्दियों के फैशन को नया आयाम दिया है। वह ठंड के मौसम में भी स्टाइल का पूरा ध्यान रखती है। आप भी ठंड के इस मौसम में अपने शानदार ड्रेसिंग सेंस से सभी को प्रभावित कर सकती हैं। बस आपको जेन-जी के कुछ स्टाइल्स और ट्रेंड्स को फॉलो करना होगा।

लॉन्ग फर जैकेट और वूलन सूट

मिलान फैशन वीक से लेकर पेरिस फैशन वीक तक इस बार फर जैकेट की धूम रही है। इस जैकेट की खासियत यह है कि यह देखने में स्टाइलिश लगती है और पहनने में आरामदायक है। यह ठंडी हवाओं से भी आपकी सुरक्षा करती है। यह ट्राउजर-शर्ट, लॉन्ग स्कर्ट-टॉप और बॉडीकॉन ड्रेस के साथ बहुत अच्छा लगता है। वहीं 2024-25 के जाड़े के मौसम में जेन-जी की पहली पसंद बन गए हैं स्टाइलिश सूट्स। इन सूट्स को आप अपनी पसंद के अनुसार डिजाइन करा सकती हैं। अगर आप कोई प्रोफेशनल हैं, स्टूडेंट हैं या स्कॉलर हैं तो इस तरह के विंटर वुलन सूट्स आपके कलेक्शन का हिस्सा जरूर होने चाहिए। यह आपको पावरफुल और बॉसी लुक देते हैं।

स्टॉकिंग विद हाई बूट्स

सर्दियों के मौसम में अगर आप हॉट दिखने की ख्वाहिश रखती हैं तो जेन-जी की तरह शॉर्ट स्कर्ट विद स्टॉकिंग जरूर ट्राई करें। इसके साथ स्वेटर या जैकेट पेयर करें। आपका यह सिंपल लुक सभी को प्रभावित करने का दम रखता है। यह लुक किसी भी पार्टी, सफर या आउटिंग के लिए परफेक्ट हो सकता है। हाई बूट्स पहनने का अपना ही मजा है। यह वो स्टाइल स्टेटमेंट है, जिसे अपनाकर आप भीड़ में भी सबसे अलग नजर आ सकती हैं।

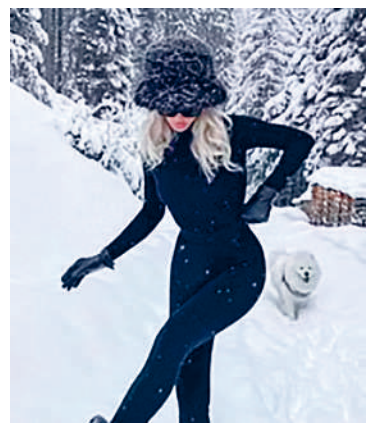

हाई बूट्स के साथ शॉर्ट स्कर्ट बहुत अच्छी लगती हैं। ऐसे में आप भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की तरह क्रॉप टॉप विद शॉर्ट स्कर्ट ट्राई करें। इसके साथ शॉर्ट फर जैकेट और हाई बूट्स से खुद को स्टाइल करें। किसी भी पार्टी और फंक्शन में यह लुक गॉर्जियस लगेगा।